राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश, उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 14 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-382 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी को लेकर हिमंत बिस्व सरमा के बयान से नाराज हुए जयंत चौधरी

कहा- भाजपा नेताओं को धोना चाहिए दातुन से मुंह

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के प्रमुख जयंत चौधरी ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर निशाना साधा। चौधरी ने कहा कि असम के सीएम ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और कहा कि भाजपा नेताओं को समय-समय पर दातुन या टहनी से मुंह धोना चाहिए।

उन्होंने ट्लीट कर कहा, असम के मुख्यमंत्री ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। भाजपा नेताओं को समय-समय पर दातुन से मुंह धोना चाहिए! पूर्व लोकसभा सदस्य ने ट्वीट किया।

सरमा ने इससे पहले 2016 और 2019 में क्रमशः भारत की सर्जिकल

स्ट्राइक और पाकिस्तान में हवाई हमले का सबूत मांगने के लिए राहुल गांधी पर हमला किया था। सरमा ने पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कभी उनसे ÷पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बेटे होने का सबूत मांगा।

सरमा ने उत्तराखंड में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, इन लोगों की मानसिकता को देखिए। जनरल बिपिन रावत देश का गौरव थे। भारत ने उनके नेतृत्व में पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। राहुल गांधी ने स्ट्राइक का सबूत मांगा। क्या हमने कभी आपसे सबूत मांगा कि क्या आप राजीव हैं गांधी के बेटे हैं या नहीं? आपको मेरी सेना से सबूत मांगने का क्या अधिकार है?

असम के मुख्यमंत्री ने जोर देकर

> **असम के मुख्यमंत्री ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। भाजपा नेताओं को समय-समय पर दातुन से मुंह धोना चाहिए! पूर्व लोकसभा सदस्य ने ट्वीट किया। सरमा ने इससे पहले 2016 और 2019 में क्रमशः भारत की सर्जिकल स्ट्राइक और पाकिस्तान में हवाई हमले का सबूत मांगने के लिए राहुल गांधी पर हमला किया था। सरमा ने पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी ने कभी उनसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बेटे होने का सबूत मांगा।**

कहा कि एक बार सेना द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक की बात कह दी गई, इसके बाद इसकी वैधता पर कोई विवाद नहीं है।

इस टिप्पणी पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव सहित विपक्षी नेताओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त की जिन्होंने सरमा के इस्तीफे की मांग की। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राव ने कहा, पीएम मोदी जी क्या यह संस्कार है या फिर हमारा हिंदू अनुष्ठान, जो एक सांसद से उसके पिता की पहचान के बारे में सवाल करता है। ऐसा आपके भाजपा के एक मुख्यमंत्री ने किया है। मेरा सिर झुका हुआ है। यह सुनकर लज्जित हुई और मेरी आंखों में आंसू आ गए। यह देश के लिए अच्छी बात नहीं है। उन्होंने कहा, असम के मुख्यमंत्री इस तरह कैसे बात कर सकते हैं? धैर्य रखने की भी एक सीमा होती है.

दिल्ली में आसमान साफ, न्यूनतम तापमान रहा सात डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह आसमान साफ रहा और न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से तीन डिग्री कम सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 89 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग ने आसमान मुख्यत~ साफ रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से दो डिग्री कम आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में रविवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गयी। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 244 रहा। पड़ोसी फरीदाबाद में एक्यूआई 258, गुरुग्राम में 216, गाजियाबाद में 238 और नोएडा में 218 यानी 'खराब' श्रेणी में रहा। गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच के एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर% माना जाता है।

भाजपा के लोग अपनी संकीर्ण मानसिकता छोड़ें, तभी देश का भला संभव-मायावती

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को किसानों और बेरोजगारों की आत्महत्या का मामला उठाते हुए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि भाजपा के लोग अपनी संकीर्ण सोच व मानसिकता को त्याग दें, तभी देश का कुछ भला हो सकता है। उत्तर प्रदेश में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच रविवार को बसपा प्रमुख मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा पर सवाल उठाते हुए ट्वीट किया, ''कर्ज में डूबे एवं घुट कर जीवन जीने को मजबूर किसानों द्वारा आत्महत्या की खबरें विचलित करती हैं, किन्तु अब बेरोजगार युवाओं द्वारा भी आत्महत्या करने की विवशता ने राष्ट्रीय चिंता, बेचैनी व आक्रोश को और बढ़ा दिया है।

फिर भी विकास व इंडिया

शाइनिंग आदि जैसा भाजपा का दावा कितना उचित है। मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''साथ ही, भाजपा द्वारा संसद में भी बेरोजगारी की ज्वलन्त राष्ट्रीय समस्या से इनकार करना इनकी यह गलत व अहंकारी सोच नहीं है तो और क्या है? कौन युवा बेरोजगारी का ताना व अपमान सहना चाहता है? भाजपा के लोग अपनी संकीर्ण सोच व मानसिकता को त्याग दें, तभी देश का कुछ भला संभव है।

पुलिस में महिलाएं कम, हर जिले में बने एक महिला थाना और दी जाए चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां-संसदीय समिति

नई दिल्ली। देश में महिला सशक्तिकरण की ओर एक नया कदम संसद की ओर से बढ़ाया जा रहा है। दरअसल संसद की एक समिति ने प्रत्येक जिले में एक थाना के गठन पर जोर दिया है जिसमें केवल महिला कर्मी हों। साथ ही इन्हें चुनौतीपूर्ण काम देने की सलाह भी दी है। समिति ने कहा कि पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी सिर्फ 10.3 प्रतिशत है, जो बहुत ही कम है। समिति की ओर से सुझाव दिया गया है कि देश के हर जिले में कम-से-कम एक पूर्ण रूप से महिला थाना स्थापित किए जाने की जरूरत है।

पुलिस बल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व मात्र 10.3 फीसद-गृह मंत्रालय से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने यह भी कहा कि पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी 33

प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा बनाई जानी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा इस समिति के अध्यक्ष हैं। इस सप्ताह संसद में पेश रिपोर्ट में कहा गया है, समिति इस बात से दुखी है कि पुलिस बल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सिर्फ 10.3 प्रतिशत है, जो बहुत कम है। समिति ने सुझाव दिया है कि गृह मंत्रालय को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श देना चाहिए कि हर जिले में कम-से-एक ऐसा थाना स्थापित किया जाए, जहां सभी कर्मी महिलाएं हों।

महिलाओं के लिए अतिरिक्त पद का हो सृजन

समिति ने यह भी कहा कि पुरुष पुलिस कर्मियों के रिक्त पदों पर महिलाओं की नियुक्ति करने के बदले उनके लिए अतिरिक्त पदों का सृजन किया जाए। इससे पुलिस और जनसंख्या के अनुपात में सुधार होगा। समिति ने यह अनुशंसा भी की है कि गृह मंत्रालय को यह परामर्श भी देना चाहिए कि पुलिस बल में शामिल महिलाओं को भी महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी दी जाए।

गोवा में थम गया प्रचार का शोर, आज को होगा मतदान

पणजी: गोवा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का शोर शनिवार शाम थम गया। राज्य की 40 विधानसभा सीटों पर सोमवार को मतदान होगा। इस तरह से राजनीतिक पार्टियां अब गुप्त तरीके से 48 घंटे तक प्रचार करेंगी। राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे दिग्गज नेताओं ने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया और जनता से वोट मांगे। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार समाप्त करना होता है। कोरोना वायर और इसके नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से प्रारम्भ में राज्य में चुनाव प्रचार धीमा था, लेकिन मतदान की तिथि करीब आने के साथ ही चुनाव प्रचार ने धीरे-धीरे इसने गति पकड़ ली। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए चुनाव एक अग्नि परीक्षा है। पार्टी ने राज्य की विधानसभा की सभी 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। वहीं कांग्रेस गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने जहां 37 उम्मीदवार उतारे हैं, वहीं जीएफपी ने तीन उम्मीदवार खड़े किए हैं। राज्य में आम आदमी पार्टी भी पूरे जोर-शोर से चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने राज्य की 39 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन किया है। शिव सेना राज्य की 11 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है,

हिजाब विवाद पर अनिल विज का तंज, बोले- कांग्रेस ने देश में बोए विभाजनकारी बीज

अंबाला। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि विभाजनकारी नीतियों के बीज कांग्रेस ने बोए जिससे देश का बंटवारा हुआ और आज यह विभाजन आतंकवाद के रूप में तो कभी हिजाब के रूप में देश के सामने आ रहा है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए विज ने आगे कहा कि हिंदू-मुसलमान के नाम पर कांग्रेस ने देश का बंटवारा किया है। विज ने कहा कि कांग्रेस द्वारा बोए गए विभाजनकारी बीज के कारण ही देश आज भी चैन से नहीं रहता, कभी आतंकवादी के रूप में, कभी हिजाब के रूप में%। उन्होंने हिंदुओं, मुसलमानों के नाम पर देश का बंटवारा करवाया।

कांग्रेस द्वारा की जा रही जाति की राजनीति के सवाल पर विज ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश में विभाजनकारी

> **विज ने कहा कि खली उनके पुराने दोस्त हैं और अब वह भाजपा में शामिल हो गए हैं जिससे पार्टी को ताकत मिलेगी। खली लोगों के बीच पहचाने जाते हैं और लोग खली की बात सुनते और मानते हैं। विज ने कहा कि खली ने खेल जगत में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं और दुनियाभर में भारत का नाम रोशन किया है, इसी तरह वह भाजपा को भी उतनी ही ऊंचाई पर ले जाएंगे।**

नीतियां चलाई हैं और इसके अलावा कांग्रेस कुछ और नहीं सोच सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस सोच के कारण भारत का विभाजन हुआ।

हरियाणा के मंत्री ने कहा कि कांग्रेस खुद को सेक्युलर कहती, लेकिन धर्म के आधार पर कांग्रेस ने ही हिंदू-मुसलमान के नाम पर देश का बंटवारा कराया।

हाल ही में भाजपा में शामिल हुए ग्रेट खली (दलीप सिंह) ने गृह मंत्री अनिल विज से उनके आवास पर मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान खली ने कहा कि मेरी लाइन की शुरुआत गृह मंत्री अनिल विज से होती है और मैं उनके काम करने के तरीके से प्रभावित हूं।

विज ने कहा कि खली उनके पुराने दोस्त हैं और अब वह भाजपा में शामिल हो गए हैं जिससे पार्टी को ताकत मिलेगी। खली लोगों के बीच पहचाने जाते हैं और लोग खली की बात सुनते और मानते हैं।

विज ने कहा कि खली ने खेल जगत में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं और दुनियाभर में भारत का नाम रोशन किया है, इसी तरह वह भाजपा को भी उतनी ही ऊंचाई पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में खेलों को आगे ले जाने के लिए ग्रेट खली से बातचीत चल रही है।

यूपी सहित इन राज्यों में आज से खुलेंगे प्राथमिक स्कूल

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के कम होते प्रभाव के मद्देनजर फरवरी के अंत तक देश के अधिकांश राज्यों में प्राथमिक स्कूलों को खोलने का फैसला ले लिया गया है। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय से बंद स्कूलों के गेट अब बच्चों का स्वागत करने की तैयारी में हैं। कई राज्यों में सोमवार, 14 फरवरी से ही सभी कक्षाओं की पढ़ाई आफलाइन माध्यम से शुरू हो रहीं हैं। प्रशासन के इस फैसले से न सिर्फ स्कूल संचालकों को राहत मिलेगी बल्कि बच्चों को भी बंद कमरे से खुले आसमान का खुशनुमा माहौल मिलेगा।

दिल्ली में 15 फरवरी से शुरू होंगे प्राथमिक स्कूल

दिल्ली में 15 फरवरी से नर्सरी से 8वीं कक्षा तक के स्कूल भी खुल जाएंगे। पिछले सप्ताह यहां 9वीं से 12वीं कक्षा तक ही स्कूल खोले गए। इस बीच स्कूलों को संचालन सख्त गाइडलाइन के साथ किया जा रहा है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अनुमति के बाद दिल्ली शिक्षा निदेशक हिमांशु गुप्ता की ओर से सर्कुलर जारी किया जा चुका है। इसमें स्कूलों के संचालन के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। इसके तहत स्कूल प्रबंधन को सुनिश्चित करना है कि हर हाल में कोविड प्रोटोकाल को लागू करें।

उत्तर प्रदेश में खुल जाएंगे प्राथमिक स्कूल

14 फरवरी, सोमवार से उत्तर प्रदेश में नर्सरी से लेकर कक्षा आठ तक के सभी सरकारी और निजी स्कूल खुल जाएंगे। अब

विद्यार्थियों को भौतिक रूप से कक्षाओं में पढ़ने आना होगा। आनलाइन कक्षाएं नहीं चलेंगी। मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि पिछले सप्ताह कक्षा नौ से लेकर इंटरमीडिएट तक के माध्यमिक स्कूल, विश्वविद्यालय और डिग्री कालेजों को खोलने का फैसला लिया गया था।

चंडीगढ़ में 14 फरवरी से खुलेंगे स्कूल

चंडीगढ़ में 14 फरवरी से सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल पूरी क्षमता के साथ खुल जाएंगे। वीरवार को कोविड वॉर रूम मीटिंग में प्रशासक बनवारी लाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। इसके बाद डायरेक्टर स्कूल एजुकेशन डॉ. पालिका अरोड़ा ने स्कूलों को खोलने के लिए नियम जारी किए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य होगा। डायरेक्टर स्कूल एजुकेशन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार स्कूल आने वाले स्टूडेंट्स के पास अभिभावक की लिखित अनुमति होनी अनिवार्य है। स्कूल गेट पर एंट्री के समय स्टूडेंट्स की थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी।

14 फरवरी से ओडिशा में खुलेंगे प्री-स्कूल-ओडिशा में 14 फरवरी से प्राइवेट प्री स्कूल खुल जाएंगे। प्ले, नर्सरी एवं केजी सभी बच्चों के लिए स्कूल खोल दिए जाएंगे। इस संदर्भ में राज्य स्कूल एवं जनशिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव विष्णुपद सेठी ने सभी जिला के शिक्षा अधिकारी, जिलाधीश को पत्र लिखकर निर्देश जारी किया है। प्रमुख सचिव ने पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि सभी स्कूलों में कोविड गाइडलाइन का अनुपालन किया जाएगा। शिक्षक ए?वं गैरशिक्षक स्टाफ को भी कोरोना टीका के दोनों डोज लेना अनिवार्य होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अगर हम विफलता से शिक्षा प्राप्त करते है तो वह सफलता ही है - मैल्कम फोर्ब्स

संपादकीय

काबू में रहे महंगाई

देश की छह सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी ने नरम रुख दिखाते हुए चौथी तिमाही के लिये मौद्रिक नीति में कोई बदलाव नहीं किया है। समिति के सदस्यों ने लगातार दसवीं बार रेपो दरों में किसी प्रकार का बदलाव न करने के पक्ष में मत दिया। दरअसल, केंद्रीय बैंक का दरों में बदलाव न करने के पीछे मकसद यही है कि कोरोना संकट से उबर रही अर्थव्यवस्था को संबल दिया जा सके। कयास लगाये जा रहे थे कि नीतियों को सामान्य बनाने के लिये रिवर्स रेपो दर में वृद्धि की जा सकती है। दरअसल, एमपीसी ने चिंता जतायी थी कि ओमीक्रोन संक्रमण से उत्पन्न स्थितियों में आर्थिक गतिविधियों में शिथिलता आई है, जिसके चलते अर्थव्यवस्था को गति देने वाले मुख्य क्षेत्रों मसलन विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, इस्पात की खपत व वाहनों की बिक्री शिथिल बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर बजट पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण में जीडीपी में आठ से लेकर साढ़े आठ फीसदी तक की वृद्धि का आकलन था, लेकिन एमपीसी का आगामी वित्तीय वर्ष के लिये सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत वृद्धि रहने का अनुमान है। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने उतरते कोरोना संकट, मुद्रास्फीति में तेजी व विश्व बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच अर्थव्यवस्था को गति देने वाली नीतियों को ही संबल दिया है। दरअसल, केंद्रीय बैंक आगामी वित्तीय वर्ष के लिये केंद्रीय बजट में सरकार की नीतियों को संबल देने की कोशिश में है। सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये बजट में राजस्व व्यय में रिकॉर्ड वृद्धि की है। इसकी मूल वजह यह है कि देश में उपभोक्ता मांग में कमजोरी है जिसके चलते खपत कम होने के कारण निजी क्षेत्र की तरफ से अधिक निवेश नहीं किया जा रहा है। सरकार सोचती है कि यदि ज्यादा मुद्रा चलन में आयेगी तो आर्थिक वृद्धि रफ्तार पकड़ेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लोगों की क्रय शक्ति में इससे वृद्धि होगी। जो कालांतर बाजार में मांग में वृद्धि करेगी। इसी मकसद से ब्याज दरों में बदलाव नहीं हुआ है। बहरहाल, केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बदलाव न करने का एक निष्कर्ष यह भी है कि बैंकों से घर, वाहन आदि के लिये ऋण लेने वालों की ईएमआई कम नहीं होगी। ऐसे में महंगाई से जूझते आम आदमी की राहत की उम्मीद पूरी नहीं हो पायी है। वहीं संकेत इस बात के भी हैं कि महंगाई में वृद्धि का यह क्रम मार्च तक ऊंचाई ले सकता है। ऐसे में फिलहाल महंगाई में कमी के आसार नहीं हैं। आरबीआई ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिये खुदरा महंगाई दर के 5.3 रहने का अनुमान लगाया है जो अंतिम तिमाही में 5.7 रह सकती है। महंगाई से राहत की उम्मीद मार्च के बाद ही की जा रही है। आगामी वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। देश के मौद्रिक नीति नियंताओं को इस बात का ध्यान रखना होगा कि महंगाई बेकाबू न हो क्योंकि गरीब तबके को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। दरअसल, केंद्रीय बैंक की मंशा है कि जब तक विकास दर में स्थिरता नहीं आ जाती तब तक कर्ज महंगा न किया जाये। केंद्रीय बैंक यह कदम इसलिये भी नहीं उठा रहा है क्योंकि फिलहाल महंगाई बढ़त पर है। यद्यपि खुदरा महंगाई दर केंद्रीय बैंक की अधिकतम सीमा से कम है, लेकिन थोक महंगाई दर ऊंची होने के कारण खुदरा महंगाई दर के बढ़ने की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर, विश्व बाजार में कच्चे तेल के दामों में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है।

आज के कार्टुन

भारतीय संस्कृति

श्रीराम शर्मा आचार्य

भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परंपरा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। करता है तो दंडनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के संदर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति का अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धांत में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से की गई है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदंड से बचने के अनेक हथकंडे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं, उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलंबन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गई है। भारतीय संस्कृति ऋषि संस्कृति है, देव संस्कृति है यह कहते हुए हमें गर्व होता है तो आवश्यकता इस बात की भी है कि हम अपनी वर्तमान मान्यताओं को विकृतियों के दलदल से निकालें और प्राचीन काल जैसी उच्च स्थिति में पहुंचाएं। मानवी उत्कर्ष हेतु देव मानव फिर उसी रूप में पुनः अपनी भूमिका निभाने आगे आ सकते हैं, जैसा कि कभी सतयुग में रहा होगा।

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे और हमारे नौनिहालों की दशा

(लेखिका- सोनम लववंशी)

आज हम एक ऐसे दौर में पहुँच गए हैं। जहां जलवायु परिवर्तन एक गम्भीर समस्या बनती जा रही है और इसकी परिणीति हम सबके सामने है।जलवायु परिवर्तन के लिए बच्चे सबसे कम ज़िम्मेदार हैं लेकिन वे ही इसका सबसे अधिक कुप्रभाव झेल रहें हैं और आने वाले दिनों में भी झेलेंगे, लेकिन अफ़सोस की भारत जैसे देश में जलवायु परिवर्तन को गम्भीरता से नहीं लिया जाता है। यही वजह है कि हमारे देश में अब तक जलवायु परिवर्तन से सम्बंधित कोई कानून तक नहीं बनाया गया है और इस बात से सहज ही आंकलन किया जा सकता है कि इतने गम्भीर मुद्दे पर हमारे देश के नीति निर्माता किस तरह चैन की बंशी बजा रहे है। वैसे यूं तो हमारे देश की राजनीति में कई उतार चढ़ाव आए लेकिन भारतीय राजनीति की बिडम्बना देखिए कि वह आज भी जाति धर्म के फेर में ही उलझी हुई है। राजनेताओं के लिए पर्यावरण संकट कभी मुद्दा ही नहीं रहा और शायद इसीलिए भी जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकट विकराल हो चला है। जलवायु परिवर्तन ने न केवल हमारे वर्तमान बल्कि हमारे आने वाले भविष्य को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान तेजी से बढ़ रहा है। जिससे मां की कोख में पल रहा बच्चा तक सुरक्षित नहीं है। आज समूचे विश्व में बढ़ते तापमान के चलते समयपूर्व बच्चों के जन्म का ख़तरा कई गुना बढ़ गया है। हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है कि तापमान के बढ़ने से न केवल नवजात शिशुओं बल्कि भ्रूण में पल रहे बच्चे तक के प्राण संकट में है। उल्लेखनीय हो कि प्रो ग्रेगरी वेलेनियस और प्रो अजेतियाँ वेंसीलिक का कहना है कि तेजी से बढ़ रही गर्मी तूफ़ान और जंगलों की आग से निकलते धुंए से न केवल समयपूर्व जन्म का ख़तरा बढ़ा है बल्कि बच्चों में स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही है। एक आंकड़े की बात करें तो 10 लाख अमेरिकी गर्भवती महिलाओं पर किए अध्ययन से यह पता चला है कि समय से पहले जन्म के 16 फ़ीसदी मामले उन क्षेत्रों के है जहां गर्मी अधिक थी। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों में भी यह बात कही गई है कि हर साल करीब 1.5 करोड़ बच्चे समय से पहले ही जन्म ले लेते है। तो वहीं 2 करोड़ नवजात बच्चों का वजन जन्म के समय सामान्य से कम रहता है। ऐसे में यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानव के बढ़ते लालच ने पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को जन्म दिया है और अब जिसका दुष्परिणाम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। आज देश मे कुपोषण चरम पर है। ऐसे में बढ़ता जलवायु संकट कुपोषण की समस्या को और कई गुना बढ़ा देगा। जिसका सबसे ज्यादा असर बच्चों के स्वास्थ्य पर ही होगा। कहते है बच्चे देश का भविष्य होते है, जब वही गम्भीर बीमारियों का सामना करने को मजबूर होंगे तो फिर देश का विकास सम्भव नहीं हो सकेगा। ऐसे में कितने आश्चर्य की बात है कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली जैसे शहरों में आक्सीजन बार खोले जा रहे है। जहां लोग पैसे देकर प्रदूषण रहित आक्सीजन ले रहे है। कोरोना के भयावह दौर में ऑक्सीजन की किल्लत से बेमौत मौतो को भूलना किसी के लिए भी सम्भव नहीं। इतना ही नहीं बढ़ते प्रदूषण से अभी भी सबक नहीं लिया तो वह दिन दूर नही जब मानव साफ हवा के लिए तरस जाएगा। वायु प्रदूषण एक गम्भीर समस्या है। जिससे भारत में प्रतिवर्ष 16 लाख से ज्यादा लोग मौत के आगोश में समा जाते है। फिर भी बिडम्बना देखिए कि अमीरों की गाड़ी से निकलने वाले धुंए से सबसे ज्यादा प्रभावित सड़क किनारे फुटपाथ पर रेहड़ी लगाने वाले गरीब मजदूरों को चुकानी पड़ती है। जबकि अमीरों के घरों में हवा साफ़ करने के लिए प्यूरीफायर जैसे उपकरण लगे होते है। वैसे एक बड़ी अच्छी कहावत है कि करें कोई और भरे कोई और...! वास्तव में आज के दौर में हो भी यही रहा है और बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण उपजा जलवायु संकट भी कहीं न कहीं अमीरों की ही देन है जिसकी सज़ा अब मासूम और शोषित वर्ग को चुकानी पड़ रही है। वहीं अभी हाल ही में यूनिसेफ ने भी बढ़ते जलवायु संकट पर चिंता व्यक्त की है। यूनिसेफ ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया है कि दुनिया के करीब एक अरब से ज्यादा बच्चों पर जलवायु परिवर्तन का ख़तरा मंडरा रहा है। जिसमें भारत, पाकिस्तान बांग्लादेश और अफ़गानिस्तान जैसे देशों पर जलवायु संकट का अधिक खतरा होने की बात कही गई है। यूनिसेफ द्वारा क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स भी जारी किया गया है। जिसमे बाढ़, लू, चक्रवात और वायु प्रदूषण को शामिल किया गया है। ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रगतिशील दौर में बच्चें जहां गम्भीर बीमारियों का सामना कर रहें है तो वही दूसरी तरफ़ कोरोना का बढ़ता ख़तरा बच्चों से उनका बचपन छीन रहा है। आज बच्चे डर के माहौल में जीने को मजबूर है। जिसका सीधा असर न केवल उनके शरीर पर बल्कि मन पर भी पड़ रहा है। यही वजह है कि वर्तमान दौर में बच्चे मानसिक अवसाद और मोटापे के शिकार हो रहे है। इसके अलावा रही सही कसर जलवायु परिवर्तन पूरा कर ही रहा है। कुल-मिलाकर देखें तो आज बचपन दो तरफा मुसीबतों से घिरा हुआ है और यही बचपन अगर आगामी भविष्य का आधार है। फिर उसी आधार को कमज़ोर करके क्या हम अपने देश को शिथिल और अवन्नति की ओर ले जाना चाहते हैं? इस पर हमें जल्द विचार करना होगा। वरना काफी देर हो चुकी होगी। वैसे मालूम हो कि यूनिसेफ ने भी इस बात को समझ लिया है कि वैश्विक स्तर पर बच्चें जलवायु परिवर्तन की भयंकर चपेट में हैं। तभी उसका कहना है कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए तो जलवायु परिवर्तन से दुनिया के बच्चों द्वारा पहले से झेली जा रही असमानता और बढ़ जाएगी और आने वाली पीढ़ियां भी इससे प्रभावित होंगीं। ऐसे में वक्त की नज़ाकत देश की रहनुमाई व्यवस्थाओं को भी समझना होगा, नहीं तो वादों और दावों से हकीकत नहीं बदलती और सस्टेनेबल डेवलेपमेंट के 17 सूचकांक जिनमें जलवायु परिवर्तन आदि विषय शामिल। उसमें हमारी क्या स्थितियां, उससे वाकिफ़ हर कोई है।

बदनाम गली से शोहरत की बुलंदी तक

सुनीता दनुवार, नेपाली सामाजिक कार्यकर्ता

औरतों की आजादी और उनके हक की हकीकत यही है कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में आकर भी लिबास चुनने तक का फैसला उनका अपना नहीं है। पहनावे को लेकर शोहदे उन पर फब्तियां कसते हैं, समाज पाबंदियां लगाता है और अदालतों को फैसला देना पड़ता है। ऐसे में, सुनीता दनुवार जैसी महिलाओं का संघर्ष वाकई बहुत बड़ा लगता है। पश्चिमी नेपाल के सुदूर गांव कासीगढ़ में 1977 में जन्मी सुनीता के घर की माली हालत का अंदाज इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि गरीबी और कुपोषण ने उनके छह भाई-बहनों को अकाल काल का ग्रास बना दिया। एक के बाद दूसरी संतान की मौत ने पिता गंगा बन और मां चंद्रकला को इतना आहत कर दिया कि वे जादू-टोने के जाल में फंसते चले गए और एक समय तो चंद्रकला इतनी दुखी हुईं कि उन्होंने परिवार को कासीगढ़ छोड़ने के लिए बाध्य कर दिया। सुनीता तब पांच साल की थीं। परिवार ने सिर्फ गांव की चौहद्दी नहीं छोड़ी, बल्कि नेपाली सरहद को ही त्याग दिया और लंबी दूरी तय कर भारतीय प्रांत जम्मू-कश्मीर आ गया। वैसे भी, गरीबों के पास छोड़ने-गंवाने को होता ही क्या है! खैर, जम्मू-कश्मीर पहुंचकर बन परिवार पट्टे पर खेत लेकर आलू उपजाने लगा। सबकी जिंदगी नई आबो-हवा से तालमेल बिठा चुकी थी। सुनीता जिस नेपाली पृष्ठभूमि से आती हैं, उसमें उन दिनों स्कूल कई-कई गांवों के बीच एक हुआ करता था, जिनमें सिर्फ लड़कों को पढ़ने का अधिकार था। बेटियों के लिए घरदारी अच्छे से सीखना ही जैसे बोर्ड का प्रमाणपत्र हो। सुनीता भाई को जब स्कूल जाते देखतीं, तो उनका भी मन पढ़ने का होता। एक दिन भाई के पीछे-पीछे वह स्कूल पहुंच भी गईं, मगर मास्टर साहब इतनी बुरी तरह पेश आए कि सुनीता ने फिर वैसा दुस्साहस नहीं किया। उन्होंने गांव की परंपरा तोड़ने की कोशिश जो की थी। और फिर नए देश, नए माहौल में तो जीना ही सबसे बड़ी चुनौती थी, ऐसे में सुनीता के लिए स्कूली शिक्षा की गुंजाइश ही कहां थी? जम्मू-कश्मीर आए लगभग नौ साल हो गए थे। एक दिन अचानक इकलौता भाई और चाचा, दोनों लापता हो गए। बहुत तलाशा, मगर कोई सुराग नहीं मिला। तरह-तरह की आशंकाएं मन में उठतीं, मगर सब्र का कोई सिरा पकड़ में नहीं आता। जिस दर्द से मुक्ति के लिए सुनीता के माता-पिता ने अपने पुरखों का गांव छोड़ा था, उससे कहीं अधिक पीड़ादायक बिछोह यह था। कई माह इसी इंतजार में गुजर गए कि शायद वे दोनों कहीं से भटकते हुए आ जाएं, मगर न ऐसा होना था, और न हुआ। फिर किसी मुलाकाती ने उनके नैनीताल में होने का अंदेशा जताया। सुनीता और उनके माता-पिता जम्मू-कश्मीर छोड़ नैनीताल निकल पड़े कि बेटे को ढूंढ़कर रहेंगे। नैनीताल जाने के रास्ते में ही दो नेपाली ट्रक ड्राइवरों से इस परिवार की जान-पहचान हुई। हमवतन होने के एहसास ने उस पहचान को जल्द ही भरोसे में बदल दिया। और एक दिन उन दोनों ने ही पूरे बन परिवार के खाने में नशीली चीज मिला दी। बेसुध सुनीता की आंखें मुंबई के एक वेश्यालय में खुलीं। 40 हजार रुपये में वे उन्हें बेच गए थे। महज 14 साल की सुनीता को अगले छह महीनों तक एक से दूसरे कोठे पर ऊंची कीमत में बेचा जाता रहा। आखिरकार 1996 में एक पुलिस छापे के कारण उन्हें उस नरक से मुक्ति मिली। उनके साथ कई कोठों से सैकड़ों नेपाली लड़कियों को आजाद कराया गया था। वे सब काठमांडू भेजी गईं। उनमें से ही 15 लड़कियों ने मिलकर 'शक्ति समूह' संस्था की शुरुआत की। यह समूह उसी समय से नेपाल के गांव-गांव में घूमकर किशोरवय गरीब लड़कियों और उनके माता-पिता को मानव-तस्करों से आगाह करने में जुट गया।

सुनीता ने साल 2001 में सातवीं कक्षा में फिर से दाखिला लिया और बीए तक का सफर तय किया। वह वेश्यालयों से मुक्त कराई गई बच्चियों और महिलाओं की काउंसिलिंग के साथ-साथ उनके पुनर्वास में भी जुट गईं। गुजरे कल की परछाईं कुछ मद्धम पड़ी, तब सुनीता ने माता-पिता का पता लगाने की कोशिश की। चूंकि, उनके बीच कोई संवाद नहीं था, इसलिए वर्षों बाद पता चला कि मां तो उनके गायब होने के चार साल बाद ही गुजर गई थीं, और पिता इतना सारा दर्द समेट न सके, सो मौत को गले लगा लिया। सुनीता के लिए अब कोठों से आजाद कराई गई लड़कियों का जीवन संवारना ही जीने का मकसद बन गया है। खासकर 2015 में नेपाल में आए भीषण भूकंप के बाद मानव तस्करों के चंगुल में फंसने से उन्होंने दर्जनों बच्चियों को बचाया। सुनीता दनुवार और शक्ति समूह के काम को दुनिया भर में सराहा गया है। 2013 में उन्हें प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड से नवाजा गया, तो 2018 में अमेरिकी सरकार ने उन्हें दुनिया की 20 बहादुर स्त्रियों में गिना। सुनीता अब नेपाल की नामचीन शख्सियतों में शुमार हैं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल -2045

6			2		5	9		1
	1	8			9	6		
4					8			5
	7		8	5		3		4
2		4		3	1		5	
9			5					3
		6	4			1	9	
8		3	1		7			6

सू-दोकू -2044 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2045

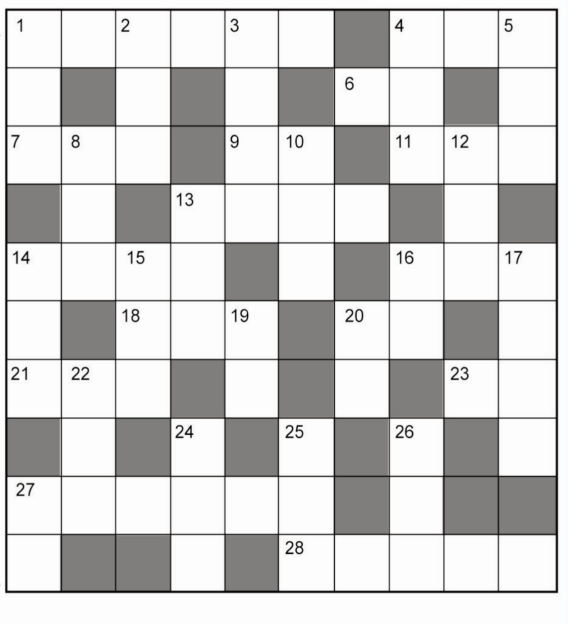

बायें से दायें:-

1. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-4,2
4. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-3
6. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
9. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-2
11. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-3
13. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-4
14. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-4
16. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-3
18. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
20. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-2
21. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-3
23. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-2
27. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-2,2,2
28. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-5

ऊपर से नीचे:-

1. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-3
2. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-4
4. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-3
5. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-3
8. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-3
10. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
12. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-3
13. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-3
14. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3
15. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-3
16. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-2
17. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
19. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-2
20. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-2
22. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
24. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-3
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-3
27. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली-2044

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अलायंस एयर

अलायंस एयर की बिक्री के लिए अगले वित्त वर्ष में रुचि पत्र निकालेगी सरकार

नई दिल्ली।

सरकार अलायंस एयर की बिक्री प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रही है और इसके लिए रुचि पत्र (ईओआई) अगले वित्त वर्ष में निकाला जाएगा। अलायंस एयर पूर्ववर्ती राष्ट्रीय एयरलाइन एयर इंडिया की अनुषंगी है। एक अधिकारी ने कहा, ''हमारे पास एयर इंडिया की अनुषंगियों की बिक्री के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी पहले से है। हम ग्राउंड हैंडलिंग इकाई की बिक्री के लिए ईओआई अगले वित्त वर्ष में निकालेंगे। फिलहाल एयर इंडिया की चार अनुषंगियां एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लि. (एआईएटीएसएल), एयरलाइन अलायड सर्विसेज लि. (एएएसएल) या अलायंस एयर, एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लि. (एआईईएसएल) और होटल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (एचसीआई) विशेष इकाई एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लि. (एआईएएचएल) के पास हैं। इस इकाई का गठन 2019 में कर्ज के बोझ से दबी एयर इंडिया की गैर-प्रमुख संपत्तियों को रखने के लिए किया गया था। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एयर इंडिया का स्वामित्व पिछले महीने टाटा समूह को हस्तांतरित कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि अभी यह तय किया जाना है कि इन अनुषंगियों के निजीकरण के लिए एयर इंडिया विशेष वैकल्पिक व्यवस्था (एआईएसएएम) का इस्तेमाल किया जाए या केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की वैकल्पिक व्यवस्था को प्रयोग में लाया जाए। एआईएसएएम के प्रमुख गृह मंत्री हैं। इसमें वित्त मंत्री, वाणिज्य मंत्री और नागर विमानन मंत्री शामिल हैं।

वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश की वैकल्पिक व्यवस्था में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, वित्त मंत्री और वाणिज्य और उद्योग मंत्री शामिल हैं।

2022-23 में सरकारी प्रतिभूतियों में रिजर्व बैंक की हिस्सेदारी दो लाख करोड़ रुपए बढ़ेगी: रिपोर्ट

मुंबई।

सरकार के अगले वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रिकॉर्ड कर्ज लेने की योजना के मद्देनजर भारतीय रिजर्व बैंक की सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में हिस्सेदारी करीब दो लाख करोड़ रुपए बढ़ सकती है। केंद्रीय बैंक के पास पहले ही 80.8 लाख करोड़ रुपए के बकाया सरकारी बांड में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि बड़े कर्ज कार्यक्रम की वजह से रिजर्व बैंक को कम-से-कम दो लाख करोड़ रुपए के बांड के लिए खरीदार ढूंढने होंगे क्योंकि बैंक सामान्य तौर पर 10 साल से कम के लघु अवधि के ऋण का विकल्प चुनते हैं। बजट 2022-23 में केंद्र का सकल कर्ज रिकॉर्ड 14.3 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। राज्यों के साथ मिलाकर सकल कर्ज 23.3 लाख करोड़ रुपए और शुद्ध ऋण 17.8 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। बजट में अगले वित्त वर्ष में 3.1 लाख करोड़ रुपए के भुगतान का भी प्रस्ताव है। सरकार के 80.8 लाख करोड़ रुपए के बकाया बांड में वित्तीय संस्थानों के बाद केंद्रीय बैंक का हिस्सा दूसरे नंबर पर है। बकाया बांड में सबसे अधिक हिस्सेदार वित्तीय संस्थान हैं। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के अंत तक 2061 तक परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां 80.8 लाख करोड़

रुपए थीं। इनमें से 37.8 प्रतिशत प्रतिभूतियां बैंकों के पास, 24.2 प्रतिशत बीमा कंपनियों के पास थीं यानी कुल मिलाकर इनके पास 62 प्रतिशत प्रतिभूतियां थीं। वहीं केंद्रीय बैंक के पास 17 प्रतिशत प्रतिभूतियां थीं।

सरकार 'गड़बड़ी' रोकने के लिए मनरेगा योजना को सख्त करेगी

नई दिल्ली।

सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) को सख्त बनाने की तैयारी कर रही है, क्योंकि पिछले दो वर्षों के दौरान इस योजना के तहत ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम में काफी गड़बड़ियां या रिसाव देखने को मिला है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्र ने 2022-23 के लिए मनरेगा के तहत 73,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान (आरई) में दिए गए 98,000 करोड़ रुपए से 25 प्रतिशत कम है। अगले वित्त वर्ष के लिए आवंटन, चालू वित्त वर्ष के लिए बजट अनुमान (बीई) के बराबर है। अधिकारी ने कहा कि पिछले दो वर्षों में बीई के मुकाबले आरई काफी अधिक रहा है और यह पाया गया कि इसमें जबर्दस्त 'रिसाव' हो रहा है तथा बिचौलिए योजना के तहत लाभार्थियों के नाम दर्ज करने के लिए पैसे ले रहे हैं। अधिकारी ने बताया, ''प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सीधे व्यक्ति तक धन पहुंचाने में सफल रहा है, लेकिन फिर भी ऐसे बिचौलिए हैं, जो लोगों से कह रहे हैं कि मैं आपका नाम मनरेगा सूची में डाल दूंगा, लेकिन आपको नकद राशि मुझे वापस देनी होगी। यह बड़े पैमाने पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय इस पर सख्ती करेगा। अधिकारी ने कहा कि लाभार्थी और बिचौलियों के बीच यह साठगांठ है कि चूंकि लाभार्थी बिचौलिए को कुछ हिस्सा दे रहा है, इसलिए वह काम पर भी नहीं जाएगा और इसलिए कोई काम नहीं हो रहा है। अधिकारी ने कहा, ''सरकार पिछले दो वर्षों में मनरेगा कोष आवंटित करने में बहुत उदार रही है।

टाटा मोटर्स को 3-5 साल में कंपनी की कुल बिक्री में सीएनजी का हिस्सा 20प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद

बिजनेस डेस्क।

टाटा मोटर्स को उम्मीद है कि अगले तीन से पांच साल में उसकी कुल बिक्री में सीएनजी कारों का हिस्सा बढ़कर 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी का मानना है कि अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश स्तर की पेट्रोल और डीजल कारों के ग्राहक आगे चलकर सीएनजी वाहन खरीदना पसंद करेंगे। मुंबई की वाहन कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन खंड को लेकर भी उत्साहित है। कंपनी का मानना है कि अगले कुछ साल में उसकी बिक्री का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा। टाटा मोटर्स के अध्यक्ष-यात्री वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन शैलेश चंद्रा ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा,''मुझे लगता है कि सीएनजी एक ऐसा खंड है जो आने वाले वर्षों में बढ़ने वाला है। यह पेट्रोल की जगह लेगा। पेट्रोल की बढ़ती लागत की वजह से सीएनजी वाहनों की मांग बढ़ेगी।'' चंद्रा ने कहा, ''इसलिए कंपनी इसका मजबूत भविष्य देखती है। यही वजह है कि आज देश में सीएनजी स्टेशनों का तेजी से विस्तार हो रहा है। इसकी पहुंच बढ़ रही है।'' चंद्रा ने कहा कि वर्तमान में कंपनी के पोर्टफोलियो में डीजल कारों की बिक्री का हिस्सा करीब 15 प्रतिशत है, जबकि पेट्रोल और सीएनजी वाहनों का हिस्सा क्रमशः 66 प्रतिशत और 12 प्रतिशत है। शेष हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों का है। उन्होंने कहा, ''अगले तीन से पांच वर्षों में पेट्रोल संभवतः लगभग 50 प्रतिशत के स्तर पर आ जाएगा, सीएनजी 20 प्रतिशत तक चला जाएगा..डीजल लगभग 10 प्रतिशत तक नीचे आ जाएगा। ईवी के लिए हमारा लक्ष्य 20 प्रतिशत का है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी सीएनजी मॉडलों की श्रृंखला के विस्तार के लिए हैचबैक और सेडान खंड पर ध्यान दे रही है।

चंद्रा ने कहा, ''मुझे लगता है कि एसयूवी में सीएनजी के लिए मुश्किल होगी। ऐसे में इस खंड में सीएनजी की पहुंच सीमित रहेगी। लेकिन यदि सीएनजी और पेट्रोल के अर्थशास्त्र के हिसाब से देखा जाए, तो एसयूवी खंड में भी इसकी कुछ पहुंच होगी लेकिन यह प्रवेश स्तर जैसी नहीं होगी।'' ।

संक्षिप्त समाचार

नवोन्मेष वृद्धि का मुख्य इंजन, कोस्टा कॉफी का विस्तार नए शहरों में करेंगे: कोका कोला

नयी दिल्ली। कोका कोला के अध्यक्ष संकेत राय ने कहा है कि भारत के लिए नवोन्मेष कंपनी की ''वृद्धि का मुख्य इंजन'' रहने वाला है। उन्होंने कहा कि कंपनी की वृद्धि में 15-20 प्रतिशत हिस्सा नवोन्मेष का रहेगा। बेवरेज कंपनी के भारत और दक्षिण-पश्चिम एशिया के अध्यक्ष राय ने कहा कोका कोला ग्रामीण क्षेत्रों में किफायती विकल्प देकर अपनी मौजूदगी का विस्तार करेगी और विविध पेशकशों के जरिये शहरी इलाकों पर भी ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि कोका-कोला की कॉफी श्रृंखला ब्रांड कोस्टा कॉफी का विस्तार अगले तीन वर्षों में नए शहरों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोका-कोला इंडिया ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क का विस्तार कर रही है। ये इलाके उसके पूरे कारोबार में 38 प्रतिशत का योगदान देते हैं। राय ने कहा कि क्षेत्र में कंपनी के दो बाजार भारत और बांग्लादेश 2030 तक तेज आर्थिक वृद्धि वाले शीर्ष 10 बाजारों में शामिल होंगे।

रिलायंस इंफ्रा का घाटा दिसंबर तिमाही में 107 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने शनिवार को बताया कि 31 दिसंबर 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका संचयी शुद्ध घाटा 106.91 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इससे एक साल पहले की समान अवधि में उसने 80.08 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल परिचालन आय बढ़कर 4,281.45 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,010.59 करोड़ रुपए थी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल परिचालन आय बढ़कर 4,281.45 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,010.59 करोड़ रुपए थी।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने कबाड़ बेचकर कमाए 205 करोड़ रुपए

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने मौजूदा वित्त वर्ष में कबाड़ बेचकर 205 करोड़ रुपए से अधिक की आय अब तक अर्जित की है। उत्तर पश्चिम रेलवे के एक प्रवक्ता के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे ने वित्त वर्ष 2021-22 में अनुपयोगी तथा व्यर्थ पड़े कबाड़ (स्क्रैप) को बेचकर 205.34 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। उल्लेखनीय है कि उत्तर पश्चिम रेलवे ने गत वर्ष जनवरी माह तक स्क्रैप निस्तारण से 202 करोड़ रुपये की रिकार्ड आय अर्जित की थी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार रेलवे द्वारा अनुपयोगी तथा व्यर्थ पड़े कबाड़ (स्क्रैप) के निस्तारण करने के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं।भंडार विभाग द्वारा फील्ड इकाइयों से पुराने कबाड़ को हटाने तथा बेचने के लिए अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे को इस वर्ष कबाड़ निस्तारण से 230 करोड़ रुपए की आय अर्जित करने का लक्ष्य दिया गया है। भंडार विभाग द्वारा फील्ड इकाइयों से पुराने कबाड़ को हटाने तथा बेचने के लिए अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे को इस वर्ष कबाड़ निस्तारण से 230 करोड़ रुपए की आय अर्जित करने का लक्ष्य दिया गया है।

आईएलएंडएफएस समूह मार्च तक 55,000 करोड़ रुपये के कर्ज का निपटान करेगा

नयी दिल्ली। आईएलएंडएफएस समूह मार्च, 2022 तक 55,000 करोड़ रुपये के कर्ज का निपटान करेगा। संकट में फंसी कंपनी के निदेशक मंडल ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के पास दाखिल हलफनामे में यह बात कही है। समाधान प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उदय कोटक की अगुवाई वाले आईएलएंडएफएस के निदेशक मंडल ने कहा कि संपत्ति के मौद्रिकरण, पुनर्गठन और दिवाला प्रक्रिया पहल के जरिये 55,000 करोड़ रुपये के ऋण का समाधान किया जाएगा। निदेशक मंडल ने कहा कि इसमें कुछ समाधान पूरा हो चुका है और कुछ निपटान के विभिन्न चरणों में है आईएलएंडएफएस पर आठ अक्टूबर, 2018 को कुल बकाया कर्ज 99,355 करोड़ रुपये था। इसमें से 45,500 करोड़ रुपये का ऋण मार्च, 2022 तक ऋण का निपटान समाधान प्रक्रिया के जरिये किया जाएगा कंपनी ने कहा है कि इसमें से 20,500 करोड़ रुपये के ऋण का समाधान पहले ही मौद्रिकरण के जरिये किया जा चुका है। वहीं 4,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया जाएगा और 21,350 करोड़ रुपये का ऋण विभिन्न कंपनियों और इसके अलावा कंपनी के निदेशक मंडल को उम्मीद है कि 5,300 करोड़ रुपये का कर्ज संबंधित अदालतों/न्यायाधिकरणों द्वारा मंजूर लेनदेन के जरिये निपटाया जाएगा।

एफपीआई ने फरवरी के पहले पखवाड़े में भारतीय बाजारों से 14,935 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी के पहले पखवाड़े में भारतीय बाजारों से 14,935 करोड़ रुपये की निकासी की है। यह लगातार चौथा महीना है जबकि एफपीआई बिकवाल रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से 11 फरवरी के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 10,080 करोड़ रुपये और ऋण या बांड बाजार से 4,830 करोड़ रुपये तथा हाइब्रिड माध्यमों से 24 करोड़ रुपये की निकासी की है। इस तरह उनकी कुल निकासी 14,935 करोड़ रुपये रही है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (प्रबंधक शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''अमेरिका के केंद्रीय बैंक द्वारा नरम मौद्रिक रुख को छोड़ने के संकेत के बाद एफपीआई की बिकवाली बढ़ी है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के संकेत के बाद वैश्विक स्तर पर बांड पर प्रतिफल बढ़ा है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका में मुद्रास्फीति 40 साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई है। ऐसे में अमेरिकी केंद्रीय बैंक आगामी महीनों में आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। इससे भारतीय शेयरों से विदेशी कोषों की निकासी और बढ़ सकती है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि फरवरी में की तारीख तक उभरते बाजारों में प्रवाह का रुख मिलाजुला रहा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान थाइलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया और फिलिपीन में निवेश का प्रवाह क्रमशः 115.5 करोड़ डॉलर, 58 करोड़ डॉलर, 47.7 करोड़ डॉलर और 13.3 करोड़ डॉलर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस दौरान ताइवान से 41 करोड़ डॉलर की निकासी हुई है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख तथा अमेरिका में 10 साल के बांड पर प्रतिफल बढ़ने से आगामी दिनों में एफपीआई की बिकवाली जारी रहेगी।'' प्रतिफल बढ़ने से आगामी दिनों में एफपीआई की बिकवाली जारी रहेगी।''

चालू वित्त वर्ष के लिए भविष्य निधि पर कितना ब्याज मिलेगा, मार्च में तय करेगा ईपीएफओ

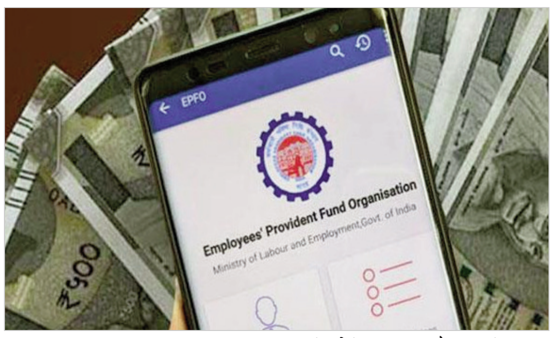

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दरें अगले महीने तय की जाएंगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के निर्णय लेने वाले निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक अगले महीने होने जा रही है जिसमें चालू वित्त वर्ष के लिए ब्याज दरों पर फैसला किया जाएगा। केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह जानकारी दी। यादव ने कहा, ''ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड की बैठक मार्च में गुवाहाटी में होगी, जिसमें 2021-22 के लिए ब्याज दरें तय करने का प्रस्ताव सूचीबद्ध है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या ईपीएफओ 2021-22 के लिए भी 2020-21 की तरह 8.5 प्रतिशत की ब्याज दर को कायम रखेगा, यादव ने कहा कि यह फैसला अगले वित्त वर्ष के लिए आमदनी के अनुमान के आधार पर किया जाएगा। यादव सीबीटी के प्रमुख हैं। मार्च, 2021 में सीबीटी ने 2020-21 के लिए ईपीएफ जमा के लिए 8.5 प्रतिशत की ब्याज दर निर्धारित की थी। वित्त मंत्री ने अक्टूबर, 2021 में इसे अनुमोदित किया था। उसके बाद ईपीएफओ ने अपने फील्ड कार्यालयों को अंशधारकों के खातों में 2020-21 के लिए 8.5 प्रतिशत की दर से ब्याज डालने का निर्देश दिया था। सीबीटी द्वारा ब्याज दर पर फैसला लेने के बाद इसे वित्त मंत्रालय की अनुमति के लिए भेजा जाता है। मार्च, 2020 में ईपीएफओ ने भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को घटाकर 2019-20 के लिए 8.5 प्रतिशत के सात साल के निचले स्तर पर ला दिया था। 2018-19 में ईपीएफओ पर 8.65 प्रतिशत का ब्याज दिया गया था। ईपीएफओ ने 2016-17 और 2017-18 में भी 8.65 प्रतिशत का ब्याज दिया था। 2015-16 में ब्याज दर 8.8 प्रतिशत थी।

वहीं 2013-14 में 8.75 प्रतिशत और 2014-15 में भी 8.75 प्रतिशत का ही ब्याज दिया गया था। हालांकि, 2012-13 में ब्याज दर 8.5 प्रतिशत थी। 2011-12 में यह 8.25 प्रतिशत थी।

मई में हो सकती है 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी

नयी दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) यदि 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी प्रक्रिया के संबंध में नियमों पर अपनी सिफारिशें इस साल मार्च तक दे देता है तो इस बहुप्रतीक्षित प्रक्रिया के मई में होने की संभावना है। दूरसंचार विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि ट्राई ने सूचित किया है कि वह 5जी नीलामी के लिए मार्च तक अपनी सिफारिशें जमा करेगा और दूरसंचार विभाग (डीओटी) जल्द से जल्द नीलामी कराने के लिए अन्य प्रक्रियाएं पूरी कर रहा है। दूरसंचार सचिव के राजारमन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ट्राई ने संकेत दिया है कि वे इन्हें (सिफारिशें) मार्च तक भेज देंगे। उसके बाद इस बारे में निर्णय लेने में एक महीना लग जाएगा।'' सरकार ने पूर्व में स्पेक्ट्रम नीलामी पर ट्राई से सिफारिशें प्राप्त होने के बाद निविदाओं का चरण शुरू करने के लिए 60 से 120 दिन का समय लिया है। राजारमन ने कहा कि दूरसंचार विभाग को ट्राई की सिफारिशें प्राप्त होने के दिन से नीलामी शुरू करने में दो महीने लगेंगे। विभाग के अनुसार, 5जी से डेटा 4जी सेवा की तुलना में 10 गुना तेज रफ्तार से डाउनलोड हो सकेगा। प्रक्रिया के अनुसार, विभाग स्पेक्ट्रम के मूल्य, इसे आवंटित करने की पद्धति, इसके ब्लॉक के आकार, भुगतान के तौर-तरीकों पर ट्राई से सिफारिशें मांगता है। ट्राई उद्योग जगत और अन्य हितधारकों से परामर्श करता है और दूरसंचार विभाग को सिफारिशें भेजता है। मौजूदा प्रक्रिया के अनुसार, दूरसंचार विभाग में निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई 'डिजिटल संचार आयोग' (पूर्ववर्ती दूरसंचार आयोग) है जो ट्राई की सिफारिशों पर फैसले लेता है ।

सऊदी अरब अरामको में अपने 4प्रतिशत शेयर या 80 अरब डॉलर निवेश कोष में हस्तांतरित करेगा

दुबई।

सऊदी अरब ने सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज पेट्रोलियम कंपनी अरामको में सरकार की चार प्रतिशत हिस्सेदारी या करीब 80 अरब डॉलर सरकारी निवेश कोष में हस्तांतरित करने की घोषणा की है। सऊदी अरब यह कदम अपनी ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्था में बदलाव लाने को उठा रहा है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी का मूल्यांकन 2,000 अरब डॉलर से कुछ कम है। वहीं इस समय कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के पार जा चुका है जो 2014 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। सऊदी अरब के युवराज (वली अहद) मोहम्मद बिन सलमान ने इन शेयरों के हस्तांतरण का फैसला किया है। यह सऊदी अरब का सरकारी संपदा कोष है। इस कोष के जरिए सऊदी युवराज उबर से लेकर ब्रिटेन की फुटबॉल टीम न्यूकैसल यूनाइटेड में निवेश कर चुके हैं। सरकार की योजना है कि तेल संपदा का इस्तेमाल युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने के लिए किया जाए जिससे समय के साथ अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता को कम किया जा सके। यह कोष नेवार्क, कैलिफोर्निया की इलेक्ट्रिक कार कंपनी ल्यूसिड मोटर्स इंक में भी निवेश कर चुका है। हालांकि, कोष की ओर से तत्काल यह नहीं बताया गया है कि इसका क्या इस्तेमाल किया जाएगा। अरामको में 94 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सरकार सबसे बड़ी शेयरधारक है। वर्ष 2019 में कंपनी के शेयरों की पेशकश रियाद के तदावुल शेयर बाजार में की गई थी। रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर सर्विसेज ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस कोष के तहत संपत्तियां 2020 में बढ़कर 412 अरब डॉलर पर पहुंच गई हैं जो 2015 में 152 अरब डॉलर थीं।

सरकार ने कच्चे पाम तेल पर प्रभावी सीमा शुल्क घटाकर 5.5 प्रतिशत किया, कीमतों पर नियंत्रण के लिए फैसला

बिजनेस डेस्क। सरकार ने शनिवार को कच्चे पाम तेल के प्रभावी सीमा शुल्क को घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। इस कदम से खाद्य तेलों की कीमतों को कम करने और उपभोक्ताओं को राहत देने में मदद मिलेगी। एक आधिकारिक अधिसूचना में शनिवार को कहा गया कि कच्चे पाम तेल पर अब पांच प्रतिशत का कृषि अवसंरचना विकास उपकर लगेगा, जो अबतक 7.5 प्रतिशत था। इस कटौती के बाद कच्चे पाम तेल पर प्रभावी सीमा शुल्क 8.25 प्रतिशत की जगह 5.5 प्रतिशत रह जाएगा। कारोबारियों ने बताया कि इस कटौती से कीमतों में प्रति क्विंटल 280 रुपए की कमी आ सकती है। सरकार ने इससे पहले अक्टूबर 2021 में भी खाद्य तेल के आयात शुल्क में कटौती की थी। भारत अपनी 60 प्रतिशत से अधिक खाद्य तेल जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करता है। इंडोनेशिया और मलेशिया भारत को आरबीडी पामोलिन और कच्चे पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोलकाता ने श्रेयस अय्यर 12.25 करोड़ में खरीदा

नई दिल्ली । आईपीएल मेगा ऑक्शन में कोलकाता नाइट राईडर्स की टीम ने श्रेयस अय्यर को 12.25 रुपए खर्च कर अपनी टीम में शामिल किया है। कोलकाता फ्रेंचाइजी ने अय्यर को खरीदने के लिए बाकी फ्रेंचाइजियों को पीछे छोडा और अपनी टीम के साथ जोड़ा। कोलकाता के साथ जुड़ कर श्रेयस अय्यर काफी खुश हैं और टीम के साथ काम करने के लिए काफी उत्सुक है। श्रेयस अय्यर ने कहा कि कोलकाता परिवार का हिस्सा बनकर मैं काफी खुश। मैं इस सीजन में टीम के साथी खिलाड़ियों और स्पोर्ट स्टाफ के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह काफी रोमांचक होने वाला है क्योंकि मैं इस टीम के साथ खेलना बहुत ही बढ़िया अहसास होगा। श्रेयस अय्यर को ऑक्शन में खरीदने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स की फ्रेंचाइजियां पीछे पड़ी हुई थी। ये तीनों फ्रेंचाइजियां श्रेयस अय्यर को अपनी टीम में शामिल करना चाहती थी। पर कोलकाता नाइट राईडर्स की टीम ने 12.25 करोड़ रुपए की सबसे बड़ी बोली लगाकर अय्यर को अपनी टीम में शामिल कर लिया। गौर हो कि श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में 87 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 31.66 की औसत से 2,375 रन बनाए हैं। अय्यर ने अपनी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को 2020 के आईपीएल सीजन में फाइनल तक पहुंचाया था।

स्कीयर आरिफ खान पहली दौड़ में 53वें स्थान पर रहे

विंटर ओलिम्पिक 2022

बीजिंग । भारतीय उच्च पर्वतीय स्कीयर मोहम्मद आरिफ खान रविवार को 1.22.35 का समय निकालकर पुरुष जाइंट स्लैलम की पहली स्की दौड़ में 53वें स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता में दूसरी स्की दौड़ का आयोजन उसी दिन कुछ अंतराल के उपरांत होगा। जम्मू कश्मीर का 31 वर्षीय स्कीयर बीजिंग शर्द ओलंपिक में अकेला भारत को प्रस्तुत कर रहा है। इसके अलावा वह पहला भारतीय है जोकि एक ही संस्करण में दो प्रतिस्पर्धाओं (जाइंट स्लैलम और स्लैलम) के लिए योग्य हुआ है। जानें विंटर ओलिम्पिक में कैसा रहा है इंडिया का प्रदर्शन 1964 विंटर ओलिम्पिक में 1091 एथलीट्स ने हिस्सा लिया। भारत ने सिर्फ एक प्रतिभागी उतारा। जेरेमी बुजाकोव्स्की ने पुरुषों की अल्पाइन स्कीइंग डाउनहिल स्पर्धा में भाग लिया। 24 साल के जेरेमी जीत नहीं पाए। 1968, 1972, 1984 में आए विंटर ओलिम्पिक में भारत ने कोई प्रतिभागी नहीं भेजा। 1988 में एल्पाइन स्कीइंग ने 3 एथलीट कनाडा गए। मैंस में गुल देव और किशोर राय तो महिलाओं में शैलजा कुमार। गुल देव पहली रेस में डिस्क्वालीफाई हो गए। किशोर राय ने 2 रेस में 2.52.21 की टाइमिंग के साथ 49वां रैंक हासिल किया। महिलाओं में शैलजा 28वें रैंक पर रहीं 1992 विंटर ओलिम्पिक में लाल चूनी, नानक चंद ने स्लैलम और जाइंट स्लैलम में हिस्सा लिया लेकिन उनका रैंक 50 से ज्यादा आया। 1994 के विंटर ओलिम्पिक में फिर से भारत ने कोई भी एथलीट नहीं भेजा। 1998 में जापान में हुए इवेंट शिवा केशवन को एकल लुग प्रतियोगिता में उतारा गया। उनका रैंक 28 रही। 2002 अमरीका विंटर ओलिम्पिक में शिवा केशवन फिर से एकल लुग प्रतियोगिता में उतरे लेकिन उनकी रैंक 33 रही। 2006 में चार एथलीट जिनमें 3 पुरुष और एक महिला थी, को इटली में हुए इवेंट में भेजा गया। एकमात्र महिला नेहा आहूजा ने वुमन जाइंट स्लैलम में 42वां तो स्लैलम में 51वीं रैंक हासिल की। पुरुष जाइंट स्लैमम में उतरे हीरा लाल रेस पूरी नहीं कर पाए। वहीं, क्रॉस कंट्री स्कीइंग में बहादुर गुप्ता का 78 आया। लुग प्रतियोगिता में शिवा केशवन 25वें रैंक पर रहे। 2010 वेंकूवर विंटर ओलिम्पिक में तीन प्लेयर गए। जाइंट स्लैलम में जामयांग नामगियाल 81, तुशी एथलीट 15 किमी. फ्रीस्टाइल में 15 किलोमीटर फ्रीस्टाइल में 83वें तो लुग में शिवा केशवन 29वें रैंक पर रहे। 2014 विंटर ओलिम्पिक में भारत से कोई भी एथलीट नहीं भेजा गया। 2018 साऊथ कोरिया विंटर ओलिम्पिक में भारत से 2 जगदीश सिंह तो लुग में शिवा केशवन उतरे। दोनों मैडल नहीं जीत पाए। 2022 बीजिंग विंटर ओलिम्पिक में भारत की ओर से केवल एक एथलीट भेजा गया। एल्पाइन स्कीइंग में आरिफ खान।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका से सुपर ओवर में जीता दूसरा टी-20, हेजलवुड मैन ऑफ द मैच

खेल डैस्क । सिडनी क्रिकेट ग्राऊंड पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी-20 को सुपर ओवर में जाकर जीत लिया है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा बनाए गए 164 रनों के जवाब में श्रीलंकाई बल्लेबाज ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर स्कोर लेवल किया था। इसके बाद सुपर ओवर हुआ जिसमें ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के सामने श्रीलंकाई टीम महज पांच रन ही बना पाई। ऑस्ट्रेलिया टीम ने दो चौके लगाकर यह मैच जीत लिया। हेजलवुड मैन ऑफ द मैच बने। मैच की बात करें तो पहले ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी की थी। ओपनर बेन मैकडरमोट और कप्तान फिंच ने पहले विकेट के लिए 33 रन जोड़े। मैकडरमोट 18 तो फिंच 25 रन बनाकर आऊट हो गए। जोश इंग्लिश ने इस दौरान 32 गेंदों में 48 रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 100 रन पार करवाया। मैक्सवेल ने 15, स्मिथ के 14, स्टोइनिस ने 19, वेड के 13 रनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 164 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 25 रन पर ही श्रीलंका ने दानुष्का, फर्नांडो और असलांका की विकेट गंवा ली। इस दौरान निसांका ने एक छोर संभाले हुए चंडीमल और कप्तान शनाका के साथ साझेदारियां की। निसांका ने 53 गेंदों में सात चौके और दोछक्कों की मदद से 73 रन बना। वहीं, कप्तान शनाका ने 19 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। अंत के ओवरों में चमीरा ने चौका लगाकर स्कोर लेवल किया लेकिन श्रीलंकाई टीम सुपर ओवर में जीत नहीं पाई। जोश हेजलवुड को इस उनके प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। मैच में उन्होंने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट हासिल किए थे।

बीपीएल में फाफ डु प्लेसिस का तूफानी शतक, 15 बाउंड्री लगाकर बनाया रिकॉर्ड

खेल डैस्क । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर फाफ डु प्लेसिस के लिए शनिवार का दिन बेहद अहम रहा। फाफ को अप्रत्याशित रूप से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी टीम में शामिल कर लिया जबकि फाफ के लिए उनकी चेन्नई सुपर किंग्स भी बोली लगा रही थी। इसी बीच बांगलादेश में प्रीमियर लीग खेल रहे डुप्लेसिस ने क्रिकेट फैंस को अपनी तूफानी बल्लेबाजी भी दिखाई। बीपीएल में कोमिला विक्टोरियन के लिए खेलते हुए उन्होंने 54 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्कों की मदद से 104 रन बना दिए। कप्तान डुप्लेसिस के यह रन तब सामने आए जब पहले खेलते हुए कोमिला के दो विकेट महज 31 रन पर गिर गए थे। डुप्लेसिस ने अकेले ही एक छोर संभाला और लगातार रन बरसाते रहे। डुप्लेसिस के अलावा हसन जॉय ने 31 तो इस्लाम एकोन ने 20 रन का योगदान दिया। बाकी कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू नहीं पाया। हालांकि कोमिला के दिए 183 रनों के लक्ष्य को खुलना टाइगर्स ने बौना साबित कर दिया। खुलना की ओर से ओपनिंग पर एंड्रे फ्लेचर के साथ मेंहदी हसन आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 182 रनों की पार्टनरशिप की। इस दौरान फ्लेचर 62 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 101 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, हसन ने 49 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 74 रन बनाए। खुलना ने यह मैच 9 विकेट से आसानी से जीत लिया।

पीएसएल : बाबर आजम की कराची किंग्स लगातार छठा मैच हारी

खेल डैस्क। पाकिस्तान सुपर लीग में इस बार कराची किंग्स को लीड कर रहे बाबर आजम के लिए कुछ भी अच्छा नहीं जा रहा है। उनकी टीम को पीएसएल में लगातार छठे मैच में हार झेलनी पड़ी। एक बार फिर से बाबर को अपने बल्लेबाज निराश करते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि पेशावर जाल्मी के खिलाफ खेले गए आखिरी मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया लेकिन उनकी टीम जीत नहीं पाई। बाबर की बात करें तो पीएसएल के 6 मैचों में वह 50 की औसत से 253 रन बना चुके हैं लेकिन उनकी टीम की परफार्मेंस ठीक नहीं हुई है। वहीं, मैच की बात करें तो पेशावरी जाल्मी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 193 रन बनाए थे। ओपनिंग क्रम पर जजई के साथ मोहम्मद हैरिस ने पहले विकेट के लिए 97 रन बनाए। जजई ने 42 गेंदों पर छह चौके और 1 छक्के की मदद से 52 तो हैरिस ने 27 गेंदों में तीन चौके और 4 छक्कों की मदद से 49 रन बनाए। शोएब मलिक ने 31, कटिंग 26 और रदरफोर्ड ने 11 बनाकर अपनी टीम का स्कोर 193 रन पर ला खड़ा किया। जवाब में खेलने उतरी कराची किंग्स की शुरुआत अच्छी रही। बाबर आजम के साथ शार्जील और जो क्लार्क ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। एक समय जब पाकिस्तान जब 85 रन पर दो विकेट गंवाकर खेल रहा था तभी पेशावर के गेंदबाजों ने वापसी कर ली। बाबर आजम का 59 रन पर विकेट गिरने के बाद कराची का मध्यक्रम रन बनाने के लिए जूझता नजर आया। नतीजा यह रहा कि कराची की टीम 194 रनों का पीछा करते हुए महज 138 रन ही बना पाई। एक समय जब पाकिस्तान जब 85 रन पर दो विकेट गंवाकर खेल रहा था तभी पेशावर के गेंदबाजों ने वापसी कर ली।

बाबर आजम का 59 रन पर विकेट गिरने के बाद कराची का मध्यक्रम रन बनाने के लिए जूझता नजर आया। नतीजा यह रहा कि कराची की टीम 194 रनों का पीछा करते हुए महज 138 रन ही बना पाई।

संक्षिप्त समाचार

इरफान पठान ने बताया, आखिरी क्यों मुंबई इंडियंस ने ईशान किशन को इतना महंगा खरीदा

मुंबई । मुंबई इंडियंस मेगा ऑक्शन में ईशान किशन को मोटी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया है। मुंबई इंडियंस ने ईशान किशन को 15.25 करोड़ रुपए में खरीदा है। यह पहला मौका है जब मुंबई इंडियंस की टीम ने 10 करोड़ से ज्यादा की धन राशि खर्च की है। ईशान किशन अब आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। ईशान किशन को लेकर अब इरफान पठान ने बड़ा बयान दिया है । पठान ने कहा कि ईशान किशन के पास भविष्य के कप्तान बनने की क्षमता है, पर अभी नहीं। मुंबई के पास अभी भी कीरोन पोलार्ड हैं जो नेतृत्व कर सकते हैं, बुमराह जो खुद एक लीडर हैं और उनके पास सूर्यकुमार यादव जैसा खिलाड़ी है जो टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। पठान ने कहा कि तो इसलिए, अगर मुंबई इंडियंस की टीम ईशान किशन पर इतना इनवेस्ट कर रही है तो वह उसे अगले 5-7 साल टीम के साथ रखेंगे। फ्रेंचाइजी को पता था कि जो मर्जी हो जाए उन्हें ईशान किशन हर कीमत पर चाहिए। मैंने ऑक्शन इतिहास में कभी भी मुंबई इंडियंस की टीम को किसी खिलाड़ी पर इतनी बड़ी बोली लगाते हुए नहीं देखा। आईपीएल की मेगा ऑक्शन ईशान किशन ने दीपक चाहर और श्रेयस अय्यर को पीछे छोड़ कर अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। दीपक चाहर को चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने 14 करोड़ में खरीदा तो वहीं श्रेयस अय्यर को कोलकाता की टीम ने 12.25 करोड़ देकर अपनी टीम में रखा।

आरसीबी द्वारा खरीदे जाने के बाद बोले फॉफ डुप्लेसिस- मुझे सीएसके में सभी की याद आती है

बेंगलुरु । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में अपने समय का आनंद लिया। डुप्लेसिस को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने शनिवार को यहां बेंगलुरु में चल रही मेगा नीलामी में 7 करोड़ रुपए में खरीदा। डुप्लेसिस सीएसके में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे और उन्होंने 2021 में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सीएसके द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में डुप्लेसिस ने कहा, मैं सिर्फ चेन्नई, प्रशंसकों, कर्मचारियों और प्रबंधन और खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में एक दशक के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने बहुत सारी विशेष यादें बनाई हैं और मेरे लिए धन्यवाद कहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया है, मुझे वहां सभी की याद आती है। लेकिन अगर एक दरवाजा बंद हो जाता है और एक नया खुल जाता है और यह महान अवसरों के साथ आता है तो मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि भविष्य में क्या होगा। फाफ डु प्लेसिस के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच बोली के दौरान टक्कर देखने को मिली थी। हालांकि आरसीबी डुप्लेसिस को खरीदने में कामयाब रही। सीएसके ने दीपक चाहर को भी चुना और ऑलराउंडर को 14 करोड़ रुपए में फ्रेंचाइजी में शामिल किया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दिन, 2022 मेगा नीलामी में ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर सबसे महंगे बिकने वाले शीर्ष खिलाड़ी रहे। किशन को मुंबई इंडियंस ने 15.25 करोड़ रुपए, जबकि चाहर को चेन्नई सुपर किंग्स ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अय्यर को 12.25 करोड़ रुपए में खरीदा और दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जायंट्स ने अवेश खान को 10 करोड़ रुपये में खरीदा जिससे वह सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए।

सिंगापुर के टिम डेविड को मिले 8.25 करोड़, आई.पी.एल. के हैं स्टार प्लेयर

खेल डैस्क । आई.पी.एल. ऑक्शन 2022 के दूसरे दिन सिंगापुर के तूफानी बल्लेबाज टिम डेविड 8.25 करोड़ की मोटी रकम बटोरने में सफल रहे। सबसे खास बात यह है कि पाकिस्तान सुपर लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले प्लेयरों में वह सबसे ऊपर हैं। उन्होंने छह मैचों में 19 छक्के लगाए हैं। उन्हें मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में रखा है। 6 फीट 5 इंच लंबे डेविड का ट्वंटी-20 क्रिकेट में प्रदर्शन बेहतरीन है। उन्होंने 84 मैचों में 1884 बनाए हैं। खास बात यह है कि उनकी स्ट्राइक रेट 159 है जोकि रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे दिग्गज प्लेयरों से भी ज्यादा है। टिम डेविड अभी 25 साल के हैं। इसी दौरान वह सिंगापुर, ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटीज, होबार्ट हरिकेन्स, होबार्ट हरिकेन्स, लाहौर कलंदर्स, मुल्तान सुल्तान, पर्थ स्कॉर्चर्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, साउदर्न ब्रेव, सेंट लूसिया किंग्स, सरे, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया अंडर-23, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया-11 में खेल चुके हैं। सबसे खास बात है कि वह सिंगापुर की ओर से महज 14 टी-20 मैच खेलकर 558 रन बना चुके हैं। उनकी औसत 45 तो स्ट्राइक रेट 158 चल रही है। उनके नाम पर चार अर्धशतक भी दर्ज हैं।

मुंबई ने मोटी रकम खर्च कर जोफ्रा आर्चर को खरीदा

स्पोर्ट्स डेस्क । आईपीएल मेगा ऑक्शन में इंग्लैंड के ऑलराउंडर खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर को मुंबई इंडियंस ने सबसे बड़ी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल कर लिया है। ऑक्शन के दौरान मुंबई इंडियंस की फ्रेंचाइजी ने आर्चर को 8 करोड़ रुपए में खरीद लिया है। आर्चर को अपनी टीम में शामिल करके मुंबई ने अपनी गेंदबाजी को मजबूत कर लिया है। जसप्रीत बुमराह के साथ अब आर्चर विपक्षी बल्लेबाजों को परेशान करते हुए दिखाई देंगे। जोफ्रा आर्चर अपनी तेज स्पीड और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में आर्चर अब तक तीन सीजन खेल चुके हैं। इन तीन सीजन में आर्चर ने अपनी गेंदबाजी से साथ-साथ बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। यही कारण है कि 2 करोड़ के बेस प्राइज वाले आर्चर पर मुंबई ने 8 करोड़ रुपए की धन यही कारण है कि 2 करोड़ के बेस प्राइज वाले आर्चर पर मुंबई ने 8 करोड़ रुपए की धन राशि खर्च की है।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के आईपीएल खेलने पर बना सस्पेंस, जॉर्ज बेली ने दिया यह बड़ा बयान

सिडनी । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा ऑक्शन में कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के अच्छा प्रदर्शन के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि यह लीग क्रिकेटरों के लिए वास्तव में अच्छा विकास अवसर है। पर वह राष्ट्रीय टीम को हमेशा प्राथमिकता दी जाएगी। उनकी टीम खिलाड़ियों के साथ काम करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के लिए पर्याप्त तैयारी मिल सके। जॉर्ज बेली ने कहा कि जब यह फिट बैठता है तो हम आईपीएल को वास्तव में एक अच्छे विकास के अवसर के रूप में देखते हैं। लेकिन जाहिर तौर पर श्रीलंका में ऑस्ट्रेलिया टीम को बड़ी सीरीज खेलनी है और उसके साथ ही आईपीएल की शुरुआत होगी। अगर ऑस्ट्रेलिया किसी टीम के साथ कोई सीरीज खेल रहा है तो वह अपने खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने की इजाजत नहीं देगा। एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान दौरा और ऑस्ट्रेलिया का घरेलू टूर्नामेंट शेफील्ड का अंत आईपीएल की शुरुआत में होगा जिस कारण ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल के कुछ मैचों में नहीं दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान 25 मार्च से शुरू होगा और यह 5 अप्रैल को खत्म होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टूर्नामेंट का फाइनल मैच 4 अप्रैल को होगा।

रिली ओपेलका ने 46 अंक का टाईब्रेकर जीता, डेलास ओपन में इसनर को हराया

डेलास । विंबलडन इतिहास के दो सबसे लंबे मुकाबलों का हिस्सा रहे जॉन इसनर एटीपी टूर पर सबसे लंबे टाईब्रेकर का भी हिस्सा रहे लेकिन अपने घरेलू टेनिस टूर्नामेंट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। रिली ओपेलका ने दूसरे सेट के टाईब्रेकर में शनिवार को इसनर को 24-22 से हराकर पहले डेलास ओपन के फाइनल में जगह बनाई। दूसरे वरीय ओपेलका ने 7-6 (7), 7-6 (22) से जीत दर्ज की। तीसरे वरीय इसनर टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे एसएमयू टेनिस फेसिलिटी से लगभग एक मील की दूरी पर रहते हैं। चौथे वरीय जेनसन ब्रूक्सबी एक अन्य सेमीफाइनल में मार्कोस गिरोन से भिड़ेंगे। इसनर ने 12 साल पहले विंबलडन में 11 घंटे और पांच मिनट चले मैच में निकोलस माहूत को पांचवें सेट में 70-68 से हराया था। यह मुकाबला तीन अलग अलग दिन खेला गया था। इसके आठ साल बाद केविन एंडरसन ने छह घंटे और 36 मिनट चले विंबलडन सेमीफाइनल में इसनर को हराया था। इसके आठ साल बाद केविन एंडरसन ने छह घंटे और 36 मिनट चले विंबलडन सेमीफाइनल में इसनर को हराया था।

सीएसके द्वारा खरीदे जाने के बाद चाहर का बड़ा बयान, अन्य टीम के लिए खेलने की कल्पना नहीं कर सकता

बेंगलुरु । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी के पहले दिन बिके खिलाड़ियों में शामिल भारतीय ऑलराउंडर दीपक चाहर ने कहा कि वह हमेशा चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलना चाहते थे। चाहर को शनिवार को मेगा ऑक्शन में सीएसके ने 14 करोड़ रुपए की भारी बोली लगाकर खरीदा गया था। चाहर के लिए सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के बीच एक टक्कर थी और अंत में चेन्नई ने बाजी मारी। सीएसके द्वारा खरीदे जाने के बाद टीम द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किया गया वीडियो में चाहर ने कहा, सीएसके में वापस आकर वास्तव में खुश हूं और मुझ पर विश्वास दिखाने के लिए माही भाई (एमएस धोनी) और प्रबंधन को बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं किसी अन्य टीम के लिए खेलने की कल्पना नहीं कर सकता था। मैं केवल सीएसके के लिए खेलना चाहता था। आईपीएल के पहले दिन 2022 मेगा नीलामी में ईशान किशन, श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर शीर्ष पर रहे। किशन को मुंबई इंडियंस ने 15.25 करोड़ रुपए जबकि चाहर को चेन्नई सुपर किंग्स ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अय्यर को 12.25 करोड़ रुपए में खरीदा और दूसरी और लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा 10 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद अनकैप्ड खिलाड़ियों में अवेश खान सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बने।

आयुर्वेदाचार्य और ज्योतिषाचार्य च्यवन ऋषि

च्यवन ऋषि ने ही जड़ी-बुटियों से 'च्यवनप्राश' नामक एक औषधि बनाकर उसका सेवन करके वृद्धावस्था से पुनः युवा बन गए थे। महाभारत के अनुसार, उनमें इतनी शक्ति थी कि वे इन्द्र के वज्र को भी पीछे धकेल सकते थे। च्यवन ऋषि महान भृगु ऋषि के पुत्र थे। इनकी माता का नाम पुलोमा था। इनकी ख्याती आयुर्वेदाचार्य और ज्योतिषाचार्य के रूप में है। ग्रंथ का नाम च्यवनस्मृति और जीवदान तंत्र है। यहां प्रस्तुत है उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी।

महर्षि भृगु के भी दो विवाह हुए। इनकी पहली पत्नी दैत्यराज हिरण्यकश्यप की पुत्री दिव्या थी। दूसरी पत्नी दानवराज पुलोम की पुत्री पौलमी थी। पहली पत्नी दैत्यराज हिरण्यकश्यप की पुत्री दिव्या देवी से भृगु मुनि के दो पुत्र हुए जिनके नाम शुक्र और त्वष्टा रखे गए। आचार्य बनने के बाद शुक्र को शुक्राचार्य के नाम से और त्वष्टा को शिल्पकार बनने के बाद विश्वकर्मा के नाम से जाना गया। इन्हीं भृगु मुनि के पुत्रों को उनके मातृवंश अर्थात दैत्यकुल में शुक्र को काव्य एवं त्वष्टा को मय के नाम से जाना गया है। ऋग्वेद की अनुक्रमणिका से ज्ञात होता है कि असुरों के पुरोहित भृगु के पौत्र और कवि ऋषि के सुपुत्र थे। महर्षि भृगु के प्रपौत्र, वैदिक ऋषि ऋचीक के पौत्र, जमदग्नि के पुत्र परशुराम थे। भृगु ने उस समय अपनी पुत्री रेणुका का विवाह विष्णु पद पर आसीन विवस्वान (सूर्य) से किया।

दूसरी पत्नी पौलमी

पौलमी असुरों के पुलोम वंश की कन्या थी। पुलोम की कन्या की सगाई पहले अपने ही वंश के एक पुरुष से, जिसका नाम महाभारत शांतिपर्व अध्याय 13 के अनुसार दंस था, से हुई थी। परंतु उसके पिता ने यह संबंध छोड़कर उसका विवाह महर्षि भृगु से कर दिया। जब महर्षि च्यवन उसके गर्भ में थे, तब भृगु की अनुपस्थिति में एक दिन अवसर पाकर दंस (पुलोमासर) पौलमी का हरण करके ले गया। शोक और दुख के कारण पौलमी का गर्भपात हो गया और शिशु पृथ्वी पर गिर पड़ा, इस कारण यह च्यवन (गिरा हुआ) कहलाया। इस घटना से दंस पौलमी को छोड़कर चला गया, तत्पश्चात पौलमी दुख से रोती हुई शिशु (च्यवन) को गोद में उठाकर पुनः आश्रम को लौटी। पौलमी के गर्भ से 5 और पुत्र बताए गए हैं।

च्यवन ऋषि

च्यवन का विवाह मुनिवर ने गुजरात के भड़ौंच (खम्भात की खाड़ी) के राजा शर्याति की पुत्री सुकन्या से किया। भार्गव च्यवन और सुकन्या के विवाह के साथ ही भार्गवों का हिमालय के दक्षिण में पदार्पण हुआ। च्यवन ऋषि खम्भात की खाड़ी के राजा बने और इस क्षेत्र को भृगुकच्छ-भृगु क्षेत्र के नाम से जाना जाने लगा। सुकन्या से च्यवन को अप्नुवान नाम का पुत्र मिला। दधीच इन्हीं के भाई थे। इनका दूसरा नाम आत्मवान भी था। इनकी पत्नी नाहुषी से और्व का जन्म हुआ। और्व कुल का वर्णन ब्राह्मण ग्रंथों में ऋग्वेद में 8-10-2-4 पर, तैत्तरेय संहिता 7-1-8-1, पंच ब्राह्मण 21-10-6, विष्णुधर्म 1-32 तथा महाभारत अनु.56 आदि में प्राप्त है।

19 फरवरी को कुंभ राशि में अस्त होंगे बृहस्पति

19 फरवरी 2022 शनिवार को कुंभ राशि में अस्त हो जाएंगे। गुरु के अस्त होने का अर्थ है कि यह सूर्य के नजदीक आकर धरती से नहीं दिखाई देगा। जिस तरह चंद्रमा या सूर्य अस्त हो जाता है उसी तरह यह अस्त होकर कमजोर प्रभाव वाला हो जाता है। ऐसे में धरती पर मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं। आओ जानते हैं कि बृहस्पति के अस्त होने पर किन दो राशियों की बदल जाएगी किस्मत।

एक राशि में 13 माह रहने वाले बृहस्पति की उच्च राशि के अलावा 2, 5, 9, 12वें भाव में हो या गोचर करे तो शुभ फल देता। गुरु कर्क में उच्च, मकर में नीच का होता है अर्थात चौथी राशि में उच्च और दसवीं राशि में नीच का होता है इस परह चौथे भाव में उच्च और दसवें भाव में नीच का होता है।

इन 2 राशियों की बदल जाएगी किस्मत

मेष और सिंह। इन दोनों राशियों के लिए गुरु का गोचर किस्मत पलटने वाला और जिंदगी बदलने वाला सिद्ध होगा।

6 राशियों के लिए रहेगा शुभ

गुरु का अस्त होना वृषभ, मिथुन, तुला, धनु, मकर और कुंभ राशि के लिए बहुत लाभदायी साबित होगा। भविष्य में बड़ा फायदा हो सकता है। नौकरी और कारोबार में तरक्की के बड़े योग बनेंगे। मां लक्?मी जमकर मेहरबान होंगी और खूब सुख-समृद्धि देंगी.

इन 4 राशियों को रहना होगा सतर्क

गुरु के अस्त होने पर कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि वालों को सावधान रहना होगा, क्योंकि कोई नुकसान हो सकता है या जीवन में कुछ नकारात्मक घट सकता है। जैसे किसी से विवाद, घटना, दुर्घटना, धन हानि, नौकरी में समस्या, व्यापार में घाटा आदि।

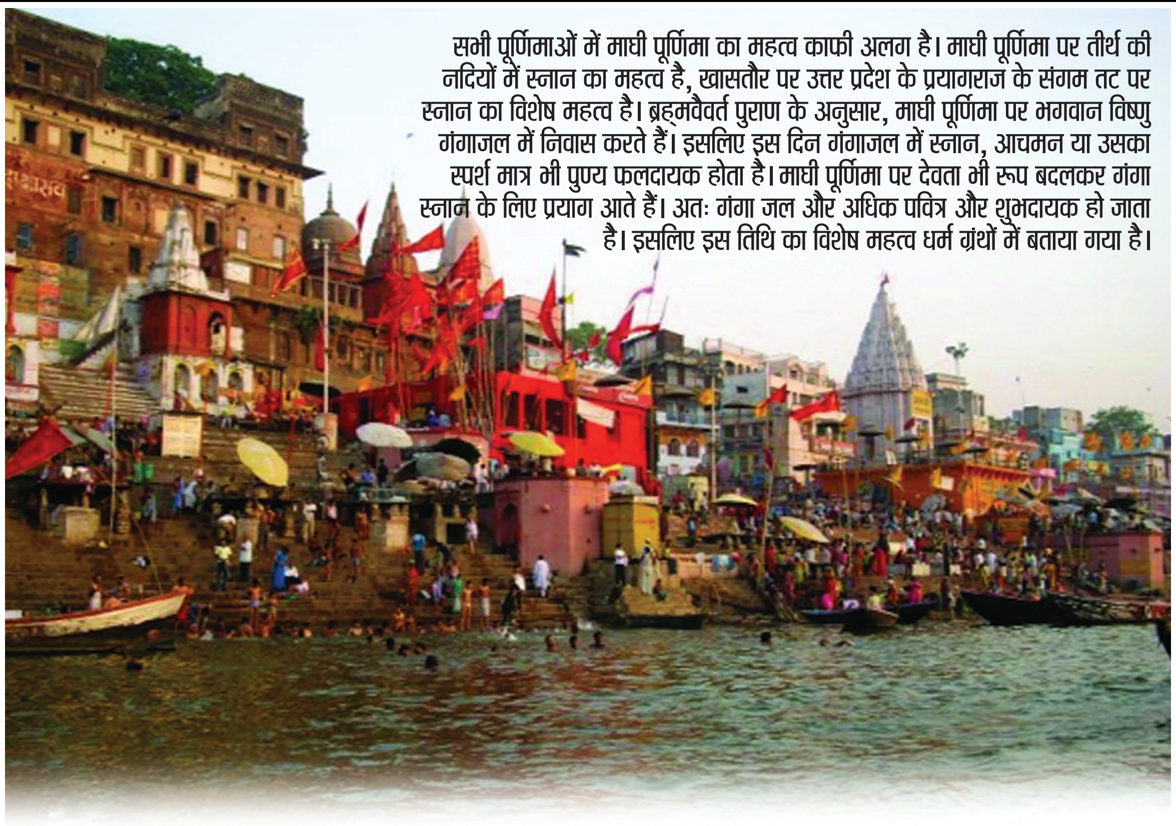

सभी पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का महत्व काफी अलग है। माघी पूर्णिमा पर तीर्थ की नदियों में स्नान का महत्व है, खासतौर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर स्नान का विशेष महत्व है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगाजल में स्नान, आचमन या उसका स्पर्श मात्र भी पुण्य फलदायक होता है। माघी पूर्णिमा पर देवता भी रूप बदलकर गंगा स्नान के लिए प्रयाग आते हैं। अतः गंगा जल और अधिक पवित्र और शुभदायक हो जाता है। इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है।

माघ मास का आखिरी दिन है माघी पूर्णिमा

माघ पूर्णिमा माघ मास का आखिरी दिन है। इसके अगले दिन से फाल्गुन मास शुरू हो जाएगा।

- सभी पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का महत्व काफी अलग है। माघी पूर्णिमा पर तीर्थ की नदियों में स्नान का महत्व है, खासतौर पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर स्नान का विशेष महत्व है।
- यहां माघ में कल्पवास की परंपरा है। एक महीने तक हजारों लोग संगम किनारे रहकर व्रत और रोज संगम में स्नान करते हैं।
- ग्रंथों में उल्लेख है माघी पूर्णिमा पर संयम से रहना, सुबह स्नान करना एवं व्रत, दान करना आदि नियम बनाए गए हैं।
- माघ मास की पूर्णिमा पर चंद्रमा मघा नक्षत्र में होता है तथा सिंह राशि में स्थित होता है इसलिए यह मास माघ कहलाता है।
- ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, माघी पूर्णिमा पर भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगाजल में स्नान, आचमन या उसका स्पर्श मात्र भी पुण्य फलदायक होता है।
- माघी पूर्णिमा पर देवता भी रूप बदलकर गंगा स्नान के लिए प्रयाग आते हैं। अतः गंगा जल और अधिक पवित्र और शुभदायक हो जाता है। इसलिए इस तिथि का विशेष महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है।
- जो व्यक्ति इस दिन प्रयाग में गंगा स्नान करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- जो श्रद्धालु तीर्थराज प्रयाग में एक मास तक कल्पवास करते हैं। माघी पूर्णिमा पर उनके व्रत का समापन होता है।
- सभी कल्पवासी माघी पूर्णिमा पर माता गंगा की आरती पूजन करके साधु संन्यासियों और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं। बची हुई सामग्री का दान कर देवी गंगा से फिर बुलाने का निवेदन कर अपने घर जाते हैं।
- माघ पूर्णिमा पर ब्रह्म मुहूर्त में नदी स्नान करने से रोग दूर होते हैं। इस दिन तिल और कंबल का दान करने से नरक लोक से मुक्ति मिलती है।

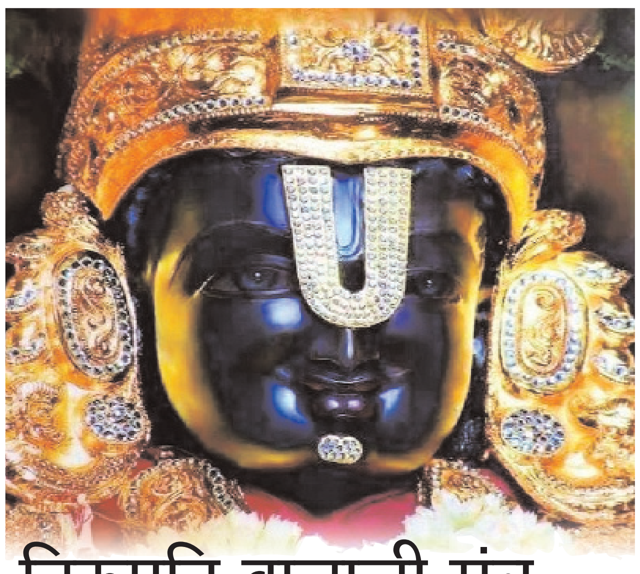

तिरुपति बालाजी मंत्र के जाप से जीवन में होते हैं अद्भुत चमत्कार

तिरुपति बालाजी का दिव्य-भव्य मंदिर आज भी दक्षिण भारतीय वास्तुकला और शिल्प का सर्वोत्तम उदाहरण है। भगवान तिरुपति बालाजी भगवान विष्णु का ही दूसरा रूप है। तिरुपति बालाजी मंत्र से भगवान बालाजी को प्रसन्न किया जाता है,उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट की जाती है। तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है.यह मंत्र एक शुद्ध ध्वनि कंपन है जो मन को मोह माया और भ्रम से बचाता है। इस जप मंत्र को निरंतर दोहराने की प्रक्रिया करने से यह जप मंत्र प्राण में ऊर्जा भर देता है। जब इस मंत्र का उच्चारण किया जाता है तो मन शांत होकर ध्यान मुद्रा में चला जाता है। उच्चारण के बिना मंत्रों की शक्ति कम हो जाती है और कामना पूर्ति या लक्ष्य प्राप्ति में उनका प्रभाव नहीं होता है। इस मंत्र को पढ़ने से खुशी मिलती है। ये मन की भावनाओं को पवित्र कर शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है। यह मंत्र भय की भावनाओं को कम करता है। रचनात्मक प्रक्रिया को बढ़ाता है। शारीरिक दर्द और अवसाद को मन से दूर भगाता है। मन को शांत कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है। इस मंत्र को हर रोज सुनने से आध्यात्मिक समृद्धि का अनुभव होता है।

भगवान तिरुपति बालाजी मंत्र

ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः. श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः.

पूर्णिमा का वैज्ञानिक महत्व

पूर्णिमा को वैज्ञानिक रूप से भी अधिक महत्व दिया जाता है क्योंकि पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पानी को अपनी और खींचता है। मनुष्य के अंदर भी 70 प्रतिशत पानी की ही मात्रा होती है। अतः पूर्णिमा के दिन मनुष्य का स्वभाव कुछ हद तक परिवर्तित हो जाता है।

धार्मिक महत्व

पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन देवी-देवताओं ने मानव रूप धारण कर गंगा में स्नान किया था। इस दिन घर में सत्यनारायण जी की कथा करना शुभ माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पूर्ण दिखाई देता है। इस दिन किसी भी पवित्र नदी में स्नान करने से सभी प्रकार के पाप कट जाते हैं।

- यदि कोई व्यक्ति किसी पवित्र नदी के पास नहीं जा सकता तो वह अपने नहाने के पानी में गंगाजल डालकर नहा सकता है। इससे भी स्नान का पूर्ण फल प्राप्त होगा। इस दिन पितरों का तर्पण करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- पूर्णिमा के दिन भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन आप चाहें तो सत्यनारायण की कथा भी कर सकते हैं।
- इस दिन स्नान करने के बाद पितरों का तर्पण अवश्य करें और पूरे दिन का उपवास रखें।
- इस दिन सूर्योदय से उपवास रख चंद्र दर्शन के बाद समाप्त किया जाता है।
- पूर्णिमा के दिन दान का भी विशेष महत्व है। इसलिए अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी निर्धन व्यक्ति या ब्राह्मण को दान अवश्य दें।
- माघ मास की पूर्णिमा को माघ पूर्णिमा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार 27 नक्षत्रों में एक मघा से माघ पूर्णिमा की उत्पत्ति हुई है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक माघ पूर्णिमा पर खुद भगवान विष्णु गंगाजल में वास करते हैं। इसलिए इस दिन गंगा स्नान का खास महत्व है। इस बार माघ पूर्णिमा 16 फरवरी को है। प्रयागराज में एक महीने तक चलने वाला कल्पवास का समापन भी माघ पूर्णिमा के दिन ही होता है।
- माघ पूर्णिमा पर सुबह स्नान के बाद भगवान विष्णु की पूजा करें। विष्णु की पूजा के बाद पितरों के निमित्त तर्पण करें। इसके बाद जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े, कंबल, तिल, गुड़, घी, फल और अन्न आदि दान करें। इस दिन सोने और चांदी का भी दान शुभ माना गया है। इसके अलावा इस दिन गौ (गाय) दान करने से विशेष लाभ मिलता है। माघ पूर्णिमा पर व्रत रखना शुभ फलदायक माना गया है। अगर संभव ना हो तो संध्या फलाहार किया जा सकता है। व्रत के दौरान किसी पर गुस्सा करना शुभ नहीं माना गया है। इसके अलावा घरेलू कलह से भी बचना चाहिए। इस तरह माघ पूर्णिमा के व्रत को संयम से रखा जाए तो पुण्य फल प्राप्त होता है।

माघ पूर्णिमा के सरल उपाय

- सफेद फूल जैसे सफेद गुलाब, चंपा, चमेली, चांदनी कुमुदनी, सफेद मोती, सफेद फल, सफेद चमकीले वस्त्र, सफेद अनाज जैसे चावल, सफेद मिठाई जैसे खीर आदि चंद्रमा और श्रीकृष्ण को अर्पित करें।
- महालक्ष्मी को पीली और लाल सामग्री चढ़ाएं।
- मोर पंख को बांसुरी में बांधकर पूजन करें।
- घी का अखंड दीपक जलाएं। उसमें 4 लौंग रखें।
- घर की पानी रखने की जगह पर स्वास्तिक बनाएं।
- पूर्णिमा की रात में की गई पूजन और आराधना से साल भर के लिए लक्ष्मी और कुबेर की कृपा प्राप्ति होती है। इसके अलावा मनोबल में वृद्धि, स्मरण शक्ति व खूबसूरती में वृद्धि होती है।
- 16 फरवरी 2022 को माघ मास की पूर्णिमा है। पूर्णिमा के दिन स्नान और दान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। यदि किसी की जन्मकुंडली में यदि चंद्रमा कमजोर है तो वह इस दिन उपाय करके चंद्रमा को मजबूत कर सकता है।

हरिद्वार का सबसे प्राचीन स्थल कनखल

उत्तराखंड प्रदेश में हरिद्वार अर्थात हरि का द्वार है। हरि याने भगवान विष्णु। हरिद्वार नगरी को भगवान श्रीहरि बद्रीनाथ का द्वार माना जाता है, जो गंगा के तट पर स्थित है। इसे गंगा द्वार और पुराणों में इसे मायापुरी क्षेत्र कहा जाता है। यह भारतवर्ष के सात पवित्र स्थानों में से एक है। हरिद्वार में हर की पौड़ी को ब्रह्मकुंड कहा जाता है। इसी विश्वप्रसिद्ध घाट पर कुंभ का मेला लगता है और यहीं पर विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती होती है। आओ जानते हैं यहां के सबसे प्राचीन स्थान कनखल के बार में संक्षिप्त जानकारी।

- कनखल हरिद्वार का सबसे प्राचीन स्थान है। इसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। यह स्थान हरिद्वार से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वर्तमान में कनखल हरिद्वार की उपनगरी के रूप में जाना जाता है।
- कनखल का इतिहास महाभारत और भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कनखल ही वो जगह है जहां राजा दक्ष ने प्रसिद्ध यज्ञ किया था और सती ने अपने पिता द्वारा भगवान शिव का अपमान करने पर उस यज्ञ में खुद को दाह कर लिया था।
- माता सती के अग्निदाह के बाद शिव के गण वीरभद्र ने राजा दक्ष की वध कर दिया था बाद में शिवजी ने उनके धड़ को वश्व के सिर से जोड़ दिया था। इसी घटना की याद में यहां पर दक्षेश्वर मदिर बना हुआ है।
- आज कनखल हरिद्वार के सबसे ज्यादा घनी आबादी वाला क्षेत्र है। आज भी कनखल में बहुत सारे प्राचीन मंदिर बने हुए है। खरीदारी के हिसाब से हरिद्वार में कनखल का बाजार एक उपयुक्त स्थान माना जा सकता है।
- कनखनल हरिद्वार की प्राचीन धरोहर है। यह राजा दक्ष की के राज्य की राजधानी थी। यहीं पर विश्व प्रसिद्ध गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय भी है।
- हरिद्वार को पंचपुरी भी कहा जाता है। पंचपुरी में मायादेवी मंदिर के आसपास के 5 छोटे नगर सम्मिलित हैं। कनखल उनमें से ही एक है।
- कनखलन में रुईया धर्मशाला, सती कुंड, हरिहर आश्रम, श्रीयंत्र मंदिर, दक्ष महादेव मंदिर, गंगा घाट और उनका मंदिर, शीतला माता मंदिर, दश महाविद्या मंदिर, ब्रम्हेश्वर महादेव मंदिर, हवेली सदृश अखाड़े और कनखल की संस्कृत पाठशालाएं.

दूधाधारी बर्फानी धाम मंदिर हरिद्वार

उत्तराखंड प्रदेश में हरिद्वार अर्थात हरि का द्वार है। हरि याने भगवान विष्णु। हरिद्वार नगरी को भगवान श्रीहरि बद्रीनाथ का द्वार माना जाता है, जो गंगा के तट पर स्थित है। इसे गंगा द्वार और पुराणों में इसे मायापुरी क्षेत्र कहा जाता है। यह भारतवर्ष के सात पवित्र स्थानों में से एक है। हरिद्वार में हर की पौड़ी को ब्रह्मकुंड कहा जाता है। इसी विश्वप्रसिद्ध घाट पर कुंभ का मेला लगता है और यहीं पर विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती होती है। आओ जानते हैं यहां के प्रसिद्ध दूधाधारी बर्फानी धाम मंदिर के बार में संक्षिप्त जानकारी।

- हरिद्वार में दुधीधारी बर्फानी मंदिर बर्फानी आश्रम में स्थित है। मंदिर परिसर के अंदर, अन्य मंदिर भी हैं।
- इस मंदिर में राम, सीता और हनुमान सहित कई देवी और देवताओं की मूर्तियां विराजित हैं।
- दुधीधारी बरफानी मंदिर अपनी स्थापत्य कला के लिए जाना जाता है। इसे हरिद्वार का सबसे सुंदर मंदिर माना जाता है। सुंदर नक्काशी के साथ सफेद संगमरमर का उपयोग करके पूरे मंदिर परिसर का निर्माण किया गया है जो कि हरिद्वार के अन्य मंदिरों से अलग दिखता है।
- दुधीधारी बर्फानी मंदिर तक पहुंचने के लिए हरिद्वार से बस या निजी टैक्सी से यात्रा कर सकते हैं।
- सिद्ध बाबा दूधाधारी ने यहां रहते हुए शिवलिंग की स्थापना की और अनेक सिद्धियों को प्राप्त किया था। बाबाजी गंगासागर की यात्रा के दौरान ब्रह्मलीन हुए, परंतु उनकी इच्छा अनुसार उनकी समाधी को आश्रम में ही स्थापित किया गया।

यूक्रेन संकट पर पुतिन और बाइडेन फोन पर करेंगे बात

मास्को।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की आशंकाओं और अमेरिका की कीव स्थित अपना दूतावास खाली करने की योजना के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन शनिवार को फोन पर 'अति महत्वपूर्ण बातचीत करने वाले हैं। बाइडेन से बातचीत करने से पहले पुतिन ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों से बातचीत की। मैक्रों संकट के समाधान के प्रयास के तहत इस सप्ताह के शुरू में पुतिन से मॉस्को में मिल भी चुके हैं। रूस ने यूक्रेन की सीमा पर सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है और पड़ोसी देश बेलारूस में युद्धाभ्यास के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। हालांकि रूस लगातार इस बात से इनकार करता रहा है कि वह यूक्रेन पर आक्रमण करने वाला है। इस बीच, रूस के राष्ट्रपति कार्यालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि हमारे अमेरिकी और ब्रिटिश सहयोगियों को स्पष्ट रूप से यूक्रेन में तैयारी की जा रही कुछ सैन्य कार्रवाइयों के बारे में पता है जो सुरक्षा क्षेत्र में स्थिति को काफी जटिल कर सकती हैं। उन्होंने कहा, ''इस स्थिति में, यूक्रेन शासन या तीसरे देशों द्वारा संभावित उकसावे की आशंका से हमने यूक्रेन में रूसी विदेशी मिशन के कर्मचारियों को तैयार रखने का निर्णय लिया है।

ब्रिटेन ने भी शनिवार को अपने नागरिकों से यूक्रेन छोड़ने को कहा। वहीं, संकट को और अधिक बढ़ाते हुए अमेरिकी रक्षा विभाग ने 3000 अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक पोलैंड भेजने का आदेश दिया है। बाइडेन ने कहा है कि अमेरिकी सेना यूक्रेन में युद्ध नहीं करेगी, लेकिन उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर रूस के खिलाफ गंभीर आर्थिक प्रतिबंधों का वादा किया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि खुफिया सूचना मिली है कि रूस बुधवार को हमला कर सकता है।

हालांकि उन्होंने कहा कि यह सूचना कितनी पुष्ट है इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन के आसपास रूस का सैन्य जमावड़ा उस बिंदु पर पहुंच गया है जहां से वह किसी भी समय आक्रमण कर सकता है। विदेश विभाग के शनिवार को यात्रा परामर्श में कहा गया कि यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित दूतावास से अधिकतर अमेरिकी कर्मचारियों को वहां से हटने का आदेश दिया गया है।

यूक्रेन संकटः कीव में ऑस्ट्रेलियाई दूतावास ने संचालन किया बंद

कैनबरा।

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मारिस पायने ने रविवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने कीव में अपने दूतावास के संचालन को बंद कर दिया है और राजनयिक कर्मचारियों को यूक्रेनी शहर ल्वीव में एक अस्थायी कार्यालय में स्थानांतरित कर रहा है। विदेश मंत्री पायने ने अपने बयान में कहा,''यूक्रेन की सीमा पर रूसी सैनिकों के निर्माण के कारण बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, सरकार ने कीव में ऑस्ट्रेलियाई दूतावास के कर्मचारियों को प्रस्थान करने और कीव में हमारे दूतावास में अस्थायी रूप से बंद करने का निर्देश दिया है।'' विदेश मंत्री ने कहा कि यूक्रेन में अपने नागरिकों को दूतावास संबंधी सहायता प्रदान करने की ऑस्ट्रेलिया की क्षमता कम हो सकती है। पायने ने कहा,हम अपने संचालन को ल्वीव में एक अस्थायी कार्यालय में स्थानांतरित कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई लोगों को तुरंत यूक्रेन छोड़ने की सलाह दी जा रही है क्योंकि अल्प सूचना पर सुरक्षा की स्थिति बदल सकती है। कनाडा के विदेश मंत्री मेलानी जोली ने शनिवार को कहा कि कीव में कनाडाई दूतावास संचालन को निलंबित कर रहा है और यूक्रेन के ल्वीव शहर में कनाडाई लोगों की सहायता के लिए एक अस्थायी कार्यालय बनाया जा रहा है। यूक्रेन के ल्वीव शहर में कनाडाई लोगों की सहायता के लिए एक अस्थायी कार्यालय बनाया जा रहा है। कनाडाई लोगों को यूक्रेन छोड़ने और देश की सभी यात्रा से बचने की सलाह दी गई थी।

इससे पहले शनिवार को जर्मन संघीय विदेश कार्यालय ने जर्मन नागरिकों से किसी भी गैर-जरूरी प्रवास को जल्द से जल्द समाप्त कर वापस लौटने का आह्वान किया। इसी तरह की सलाह न्यूजीलैंड, बेल्जियम और फिनलैंड सहित अन्य देशों द्वारा जारी की गई है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, दो नौकाएं भी की जब्त

कोलंबो।

श्रीलंकाई नौसेना ने देश के जल क्षेत्र में अवैध रूप से मछलियां पकड़ने के आरोप में 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और मछली पकड़ने वाली उनकी दो नौकाओं को जब्त कर लिया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। नौसेना ने बताया कि तलाईमन्नार के उत्तर में समुद्र में गिरफ्तारियां की गईं। उसने कहा कि ये मछुआरे समुद्र में पानी के नीचे तल पर जाल बिछाकर मछलियां पकड़ रहे थे। उसने कहा, ''तलाईमन्नार के उत्तर में समुद्र में 12 फरवरी की रात को एक अभियान चलाया गया। इस दौरान श्रीलंकाई नौसेना ने मछलियां पकड़ने में इस्तेमाल होने वाली दो भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछलियां पकड़ रहे 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। श्रीलंकाई नौसेना ने इस महीने में तीसरी बार कथित रूप से श्रीलंकाई जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी की है। इससे पहले, नौसेना ने आठ फरवरी को भी कथित तौर पर श्रीलंकाई समुद्री सीमा के अंदर मछलियां पकड़ रहे 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और मछली पकड़ने की उनकी तीन नौकाओं को भी जब्त कर लिया था। उसने एक फरवरी को 21 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था। भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक अड़चन बन रहा है। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करने और उनकी नौकाओं को जब्त कर लेने की कई कथित घटनाएं हुई हैं। श्रीलंका और तमिलनाडु के बीच पाक जलडमरूमध्य जहां मछलियां बहुतायत में मिलती हैं और दोनों देशों के मछुआरे वहां मछली पकड़ते हैं।

तिब्बतियों की पहचान मिटाने के लिए बौद्ध धर्म को नष्ट कर रहा चीन

कोलंबो।

श्रीलंका में एक संवाददाता सम्मेलन दौरान तिब्बती बौद्ध लिंग रिनपोछे, जिन्हें दलाई लामा के शिक्षक के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना जाता है, ने तिब्बतियों की पहचान मिटाने और बौद्ध धर्म को नष्ट करने के लिए चीन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि चीन पिछले कई दशकों से तिब्बतियों पर अमानवीय और पशु अत्याचार कर रहा है। इसके अलावा, उन्होंने चीन को उनके साहित्य के विनाश, बौद्ध पहचान, दलाई लामा के महल के विनाश, बड़ी संख्या में मठों और ऐतिहासिक और धार्मिक मूल्य की बुद्ध प्रतिमाओं और तिब्बतियों के विनाश की स्थिति में व्यवस्थित कमी के लिए फटकार लगाई। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रिनपोछे ने आगे कहा, पांच हजार मठों में से केवल पांच ही अस्तित्व में हैं, वे भी नकली हैं, और बाकी को चीनी सेना के आक्रमण द्वारा नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों हजारों तिब्बती किसानों, और अन्य नागरिकों को न केवल गोलियों से भून दिया गया है, बल्कि जेलों, यातना शिविरों, कार्यस्थलों और उनके अपने घरों में भूख से मौत के घाट उतार दिया गया है। तिब्बती पहचान बौद्ध धर्म है और उनकी संस्कृति भी बौद्ध धर्म है और चीन तिब्बतियों की पहचान को नष्ट करने के लिए बौद्ध धर्म को नष्ट कर रहा है। इसके अतिरिक्त महानायके थेरो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि तिब्बत एक स्वतंत्र और बौद्ध भिक्षु द्वारा शासित एकमात्र देश जो उस देश के लोगों के राष्ट्रीय नेता और आध्यात्मिक नेता दोनों थे। उन्होंने भारत की सराहना की और बताया कि भारत ने दलाई लामा और उनके 80,000 अनुयायियों, भिक्षुओं को शरण दी है।चीन की निंदा करते हुए उन्होंने आगे कहा कि बौद्ध और बौद्ध समुदाय को नष्ट करने के लिए ।

संक्षिप्त समाचार

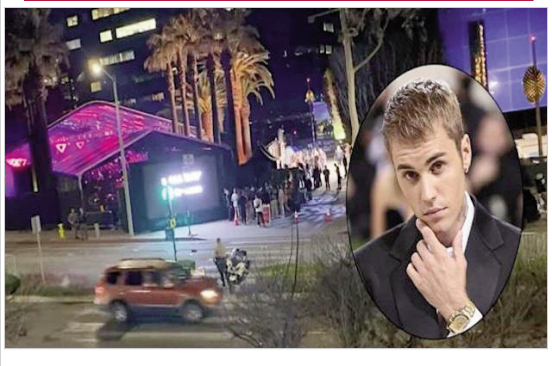

लॉस एंजिलिस : जस्टिन बीबर के कंसर्ट के बाद आयोजित पार्टी के बाहर गोलीबारी, 4 लोग घायल

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में गायक जस्टिन बीबर के कंसर्ट के बाद एक रेस्तरां में आयोजित पार्टी के बाहर गोलीबारी में चार लोग घायल हो गए। लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अधिकारी लिजेथ लोमेली ने बताया कि 'द नाइस गाइ रेस्तरां के बाहर हुई गोलीबारी में चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार दोपहर को जारी बयान में बताया कि घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों ने वहां दो पीड़ितों को पाया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बयान के अनुसार, दो अन्य पीड़ित स्वयं अस्पताल पहुंचे। सभी चारों पीड़ितों की हालत स्थिर है। सोशल मीडिया पर उपलब्ध घटना के वीडियो में दिख रहा है कि जब रेस्तरां के बाहर गोलीबारी हुई, उस समय रैपर कोडेक ब्लैक उर्फ बिल कैपरी लोगों के एक समूह के साथ फोटो खिंचवा रहे थे। कानून प्रवर्तन सूत्रों ने 'एनबीसी न्यूज को बताया कि ब्लैक घटना में घायल हुए लोगों में शामिल हैं। इस कार्यक्रम में जिन जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया था, उनमें जेफ बेजोस, उनकी प्रेमिका लॉरेन सांचेज, अभिनेता एंथनी रामोस और टोनी गोंजालेज शामिल थे। 'हॉलीवुड रिपोर्टर ने बताया कि बीबर और उनकी पत्नी हेली बाल्डविन, ड्रेक, क्लोए करदाशियां और टोबे मागुइरे समेत मनोरंजन जगत की कई हस्तियों को पार्टी के बाद रेस्तरां में जाते देखा गया था।

यूक्रेन संकटः तुर्की ने अपने नागरिकों को यूक्रेन नहीं जाने की दी सलाह

अंकरा। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर तुर्की ने अपने नागरिकों को यूक्रेन नहीं जाने की सलाह दी है। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने यात्रा परामर्श जारी कर अपने नागरिकों को यूक्रेन की यात्रा करने से गुरेज करने की सलाह दी। मंत्रालय ने कहा, यह अनुशंसा की जाती है कि हमारे नागरिक यूक्रेन के पूर्वी सीमा क्षेत्रों की यात्रा करने से परहेज करें। मंत्रालय ने नागरिकों से अपनी सुरक्षा के लिए हर संभव सावधानी बरतने और आवश्यक यात्रा से पहले कीव स्थित तुर्की दूतावास से संपर्क करने को कहा। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को अमेरिकी नागरिकों से सैन्य कार्रवाई के बढ़ते खतरे के मद्देनजर तत्काल यूक्रेन छोड़ने को कहा था।

अमेरिका के बाद इजरायल ने की अपने नागरिकों से तत्काल यूक्रेन छोड़ने की अपील

यरुशलम। इज़रायल ने अपने नागरिकों से एक बार में यूक्रेन छोड़ने की अपील की है और कीव से तेल अवीव के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए एयरलाइंस के साथ परामर्श कर रहा है। यह जानकारी इजरायल के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दी। मंत्रालय ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ, तो इज़रायल अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी कर रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इसके लिए एक विशेष संकट पैनल का गठन किया गया है।

एक पायलट का शव हुआ बरामद एफ-15 विमान को गायब करने में चीन पर शक

जापान। जापान ने 13 दिन पहले ट्रेनिंग में गायब हुए अपने स्न-15 फाइटर जेट के एक पायलट का शव मिलने की जानकारी दी है। जापानी वायुसेना ने रविवार को यह जानकारी दी, लेकिन पायलट का नाम नहीं बताया है। दूसरे पायलट की तलाश अभी जारी है। यह विमान 31 जनवरी को गायब हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, इस क्रैश में चीन का हाथ होने का शक है, क्योंकि यह हादसा दक्षिणी चीन सागर से कुछ ही दूरी पर हुआ है। हालांकि ऑफिशियल बयान नहीं दिया गया है। प्रसारक के मुताबिक, स्न-15 फाइटर जेट 31 जनवरी को एक ट्रेनिंग मिशन पर था,। विमान ने मध्य इशिकावा क्षेत्र में कोमात्सु एयरबेस से उड़ान भरी थी, लेकिन इसके तुरंत बाद वह रडार से गायब हो गया। यह घटना बेस के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में लगभग 5 किमी की दूरी पर जापान सागर में हुई। विमान के पायलट्स ने लापता होने से पहले कोई बचाव संकेत नहीं भेजा था। जानकारी मिलते ही लापता चालक दल की तलाश शुरू कर दी गई थी। लड़ाकू विमान का संचालन जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) कर रही थी। रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, विमान के लापता होने वाले इलाके में उसकी कील का टुकड़ा भी मिला है। विमान और उसके पायलट्स की तलाश में एएसडीएफ, मरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स, तटरक्षक बल के विमान, हेलीकॉप्टर और समुद्री जहाज जुटे हैं। इनमें ह्युगा हेलीकॉप्टर कैरियर भी शामिल है, जो जापान के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर में से एक है। रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने सभी उड़ानों का सावधानीपूर्वक निरीक्षण करने का निर्देश दिया है।

सीरिया में तोप के गोले दागे जाने से 2 बच्चों सहित 6 लोगों की मौत

बेरूत। सीरियाई सेना ने देश के उत्तर पश्चिमी इलाके में विद्रोहियों के कब्जे वाले एक गांव को निशाना बनाते हुए तोप के गोले दागे, जिसमें एक ही परिवार के दो बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई। विपक्षी कार्यकर्ताओं ने यह जानकारी दी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि जिस वक्त उक्त घर पर हमला किया गया,उस वक्त घरवाले अच्छे मौसम का मजा लेते हुए चाय पी रहे थे। इदलिब प्रांत के मरात अल नासान गांव में हमले के बाद एक विमान ने क्षेत्र के चक्कर लगाए। विपक्ष के संगठन सीरियन सिविल डिफेंस ग्रुप ने कहा कि बच्चों की उम्र तीन और सात वर्ष थी। इसने कहा कि पिछले छह माह में रूस समर्थित सीरियाई सरकार द्वारा इदलिब में किए गए हमलों में कुल 65 बच्चे मारे गए हैं।

बाइडन ने पुतिन को यूक्रेन पर आक्रमण की "भारी कीमत चुकाने की चेतावनी दीः व्हाइट हाउस

मॉस्को।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के राष्ट्रपति से यूक्रेन की सीमा पर एक लाख से ज्यादा सैनिकों के जमावड़े को हटाने को शनिवार को फिर से कहा, साथ ही रूस को चेतावनी दी कि अगर वह यूक्रेन पर आक्रमण करता है तो अमेरिका और उसके सहयोगी '' दृढ़ता से जवाब देंगे और उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार बाइडन ने पुतिन से कहा,''आक्रमण का अंजाम 'व्यापक मानवीय पीड़ा होगी और रूस की छवि धूमिल होगी। साथ ही बाइडन ने पुतिन से यह भी कहा कि अमेरिका यूक्रेन पर कूटनीति जारी रखेगा लेकिन 'अन्य परिदृश्यों के लिए भी समान रूप से तैयार है। यूक्रेन संकट के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच फोन पर 62 मिनट तक बातचीत हुई। दोनों नेताओं के बीच बातचीत तब हुई जब बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने खुफिया सूचनाओं का हवाला देते हुए आगाह किया कि रूस कुछ ही दिन में और बीजिंग में चल रहे शीत ओलंपिक के 20 फरवरी को समाप्त होने से पहले आक्रमण कर सकता है। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन की सीमा पर एक लाख से ज्यादा सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है और पड़ोसी देश बेलारूस में युद्धाभ्यास के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। हालांकि रूस लगातार इस बात से इनकार करता रहा है कि वह यूक्रेन पर आक्रमण करने वाला है।

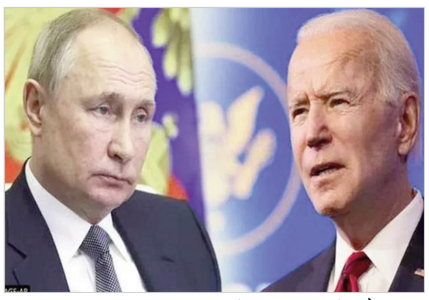

न्यूजीलैंड में कोविड प्रतिबंधों का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारों व बैरी के गानों का इस्तेमाल

वेलिंगटन।

न्यूजीलैंड में कोविड-19 टीकाकरण की अनिवार्यता के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारें करने के अलावा एक अनोखा तरीका अपनाते हुए अमेरिकी गायक बेरी मानिलो के गीतों का सहारा लिया। पुलिस ने संसद के घास भरे मैदानों में डेरा डाले हजारों प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने के लिए शुरुआत मंगलवार से पानी की बौछारों से की। इसका कोई खास असर नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों ने इसके जवाब में मैदान में गड्ढे खोदे और पानी निकालने के लिए अस्थायी पाइप लगाईं। जब शनिवार को बौछारें की गईं, तो प्रदर्शनकारियों की संख्या कम होने के बजाय बढ़ गई। इसके बाद, संसद के स्पीकर ट्रेवर मलार्ड ने प्रदर्शनकारियों को असहज करने के लिए एक अनोखा तरीका खोजा। उन्होंने लाउड स्पीकर लगवाकर टीकों संबंधी संदेश जोर-जोर से चलाए और बैरी मानिलो एवं लोकप्रिय गीत 'माकारेना को बार-बार चलाया। इसके जवाब में प्रदर्शनकारियों ने ट्विस्टर सिस्टर का गीत 'वी आर नॉट गोना टेक इट बजाया। पुलिस ने बृहस्पतिवार से अब तक वेलिंगटन में संसद भवन के बाहर सड़क पर डेरा डाले 122 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने रक्षा जैकेट पहन रखी थी, लेकिन उनके हाथों में दंगा रोधी ढाल या बंदूकें नहीं थीं। पुलिस ने कहा कि उन्होंने सभी प्रदर्शनकारियों को चेताया था कि वे गैरकानूनी तरीके से वहां मौजूद हैं। न्यूजीलैंड में मंगलवार को प्रदर्शन तब शुरू हो गया, जब कोविड-19 की रोकथाम के दिशानिर्देशों को लेकर कनाडा सहित अन्य देशों में जारी विरोध से प्रेरित कार और ट्रक सवार एक हजार लोगों का काफिला संसद के बाहर की सड़कों पर इकट्ठा हो गया। प्रदर्शनकारी न्यूजीलैंड में शिक्षकों, डॉक्टरों, नर्सों, पुलिस और सैन्य कर्मियों सहित कुछ अन्य कर्मचारियों के लिए कोविड-19 टीकाकरण अनिवार्य किए जाने का विरोध कर रहे हैं। कई प्रदर्शनकारियों को दुकानों में और कक्षाओं में आठ साल से अधिक उम्र के छात्र-छात्राओं के लिए मास्क को अनिवार्य बनाए जाने पर आपत्ति है। इस बीच, न्यूजीलैंड में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दो महिला अधिकारी एक नग्न महिला को उसके बालों से खींचते दिख रही हैं। इस संबंधी सवाल किए जाने पर न्यूजीलैंड पुलिस ने 'द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि महिला गिरफ्तारी से ''कुछ समय पहले से ही नग्न अवस्था में थी। इस संबंधी सवाल किए जाने पर न्यूजीलैंड पुलिस ने 'द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि महिला गिरफ्तारी से ''कुछ समय पहले से ही नग्न अवस्था में थी।

लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की, कैनबरा में सड़कों पर जाम लगाया

ऑस्ट्रेलियाई । ऑस्ट्रेलियाई राजधानी में हजारों लोगों ने कोरोना वैक्सीन को अनिवार्य बनाए जाने का विरोध किया। कैनबरा में 10,000 से अधिक लोगों ने संघीय, राज्य और क्षेत्रीय सरकारों से टीकाकरण अनिवार्य करने वाले सभी स्वास्थ्य आदेशों को तुरंत खत्म करने की मांग की। लोगों ने कैनबरा की सड़कों को पूरी तरह से जाम कर दिया। साथ ही मार्च निकालकर नारेबाजी की। पुलिस ने कहा कि 10,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्वक ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, लगभग 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में बैरिकेड तोड़कर घुसने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने कैनबरा के एग्जिबिशन पार्क में डेरा डाले हुए प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी है कि उनके पास रविवार तक का समय है कि वे साइट छोड़ दें, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। शनिवार को स्कॉट मॉरिसन ने संवाददाताओं से कहा था कि प्रदर्शनकारी उन चीजों के लिए आवाज उठा रहे हैं जिन्हें वे महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कॉमनवेल्थ सरकार ने केवल उन जनादेशों का समर्थन किया है जो वृद्ध श्रमिकों, विकलांग श्रमिकों और स्वास्थ्य प्रणाली में उच्च जोखिम वाली स्थितियों में काम करने वालों से संबंधित हैं। अन्य सभी आदेश जो टीकों से संबंधित हैं, राज्य सरकारों ने एकतरफा रूप से लागू किए हैं। मौजूदा सरकार के कई अधिकारी भी इस रैली में शामिल हो गए हैं। इसे देखते हुए विपक्षी लेबर पार्टी ने रविवार को प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की मांग की है। लेबर पार्टी की प्रवक्ता क्रिस्टीना केनेली ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री को प्रदर्शन कर रहे हिंसक चरमपंथियों की निंदा करनी चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दी बड़ी चेतावनी- फिर से आ सकता है कोरोना का कहर, हो सकती है नए वैरिएंट की एंट्री

इंटरनेशनल डेस्क।

भारत समेत दुनिया के कई देशों में जहां कोरोना वायरस के प्रकोप कम हो रहे हैं, वहीं इसके पूरे तरीके से खत्म होने की बात कहना भी सही नहीं होगा। कोरोना को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (विश्व स्वास्थ्य संगठन) ने ताजा जानकारी शेयर की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, कोरोना का खतरा अभी तक पूरा टला नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि हमें इससे अभी भी बचने की जरूरत है और इसके बचाव के लिए अभी तक उठाए जा रहे सभी कदम को जारी रखना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वायरस के नए वैरिएंट्स फिर से आने की आशंका भी जताई है क्योंकि कोरोना का म्यूटेशन अभी जारी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि कोरोना अब खत्म हो गया है, यह मानना अभी बिल्कुल गलत होगा। उन्होंने कहा कि इसे लेकर हमें अभी भी सतर्कता बरतना जरूरी है। स्वामीनाथन ने इसके अलग-अलग म्यूटेशन की जानकारी देते हुए इसके कई और वैरिएंट के आने वाले दिनों में सामने आने की भी आशंका जताई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन से पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन कोविड 19 की टेक्निकल हेड मारिया वैन ने भी कोरोना को लेकर कुछ बातें कही थी। उन्होंने कहा था, 'हम इस वायरस के बारे में बहुत कुछ जान गए हैं।

लेकिन सबकुछ जान गए हैं, ऐसा कहना सही नहीं होगा। अबतक हम वायरस को लगातार ट्रैक कर रहे हैं लेकिन इसका म्यूटेशन कई तरह से हो रहा है, जिसमें से अबतक के लिए ओमिक्रॉन इसका लैटेस्ट वैरिएंट है और जरूरी नहीं कि यह आखिरी वैरिएंट ही होगा। कोरोना के अभी कई अन्य वैरिएंट भी आ सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीर्थयात्रा योजना: 14 फरवरी को दिल्ली से रवाना होगी ट्रेन

नेशनल डेस्क ।

दिल्ली सरकार की बुजुर्गों के लिए तीर्थयात्रा योजना सोमवार से बहाल होगी और श्रद्धालुओं को लेकर एक ट्रेन गुजरात के द्वारकाधीश जाएगी। कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर जनवरी के पहले सप्ताह में यह तीर्थयात्रा योजना रोक दी गई थी। दिल्ली सरकार की तीर्थयात्रा विकास समिति के अध्यक्ष कमल बंसल ने बताया कि दिल्ली से 1,000 बुजुर्ग श्रद्धालुओं को लेकर द्वारकाधीश जाने वाली ट्रेन को सोमवार शाम 7 बजे सफदरजंग रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाई जाएगी। रामेश्वरम के लिए एक अन्य ट्रेन 18 फरवरी को रवाना होगी। के मामले बढ़ने के बीच जनवरी में मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना रोक दी गई थी। बंसल ने कहा कि हम अन्य तीर्थ स्थलों के लिए ट्रेन की घोषणा भी कर सकते हैं, क्योंकि रेलवे हमें ट्रेन की उपलब्धता के बारे में सूचित कर सकता है उन्होंने कहा कि अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों की मांग रामेश्वरम और द्वारकाधीश के लिए थी। रामेश्वरम के लिए करीब 15,000 और द्वारकाधीश के लिए 7,000 आवेदन लंबित हैं। बंसल ने कहा कि हम अपने बुजुर्गों की मांग पर जितना संभव हो सकता है उतनी यात्राओं की व्यवस्था करने के लिए तैयार हैं, लेकिन यह ट्रेन की उपलब्धता पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से बुजुर्गों के लिए निशुल्क तीर्थयात्रा की योजना के तहत जनवरी में अलग-अलग तीर्थस्थलों के लिए 11 ट्रेन यात्राओं की योजना बनाई गई, लेकिन कोरोना वायरस की तीसरी लहर के कारण यह संभव नहीं हुआ। इस योजना के तहत 60 साल और उससे अधिक आयु के लोगों को 15 मार्गों पर तीर्थयात्रा के लिए ले जाया जाता है और इसका पूरा खर्च दिल्ली सरकार उठाती है। सरकार प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक और उसके साथ जाने वाले एक व्यक्ति की यात्रा और उसके ठहरने समेत अन्य खर्च उठाती है। इस योजना के तहत दिल्ली सरकार ने 81.45 करोड़ रुपए दिए हैं जिसमें से 2021-22 में 66.92 करोड़ रुपए खर्च किए गए। जसमें से 2021-22 में 66.92 करोड़ रुपए खर्च किए गए। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक करीब 38,000 वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना का फायदा मिला है।

मोदी सरकार पुलिस फोर्स को बनाएगी मॉडर्न, कैबिनेट ने मंजूर किए 26,275 करोड़ रुपए

नेशनल डेस्क।

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने 26,275 करोड़ रुपए की वित्तीय लागत से 2025-26 तक व्यापक पुलिस आधुनिकीकरण योजना को जारी रखने को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि इस योजना में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर राज्यों तथा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी व्यय, नई बटालियानों के गठन, उच्च प्रौद्योगिकी से लैस अपराध प्रयोगशालाओं और अन्य जांच प्रविधियों के विकास का खर्च शामिल है। एक सरकारी बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने व्यापक पुलिस बल आधुनिकीकरण योजना को जारी रखने को मंजूरी दी है। यह मंजूरी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिसबलों को आधुनिक बनाने एवं उनके कामकाज में सुधार लाने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल को आगे ले जाएगी। बयान के मुताबिक इस योजना में वे सभी प्रासंगिक योजनाएं हैं जो 26,275 करोड़ रुपए की कुल केंद्रीय वित्तीय लागत से आधुनिकीरण एवं सुधार में योगदान देंगी । मंत्रालय का कहना है कि यह व्यवस्था अंदरूनी तथा कानून व्यवस्था तथा पुलिस द्वारा आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने के तहत की गयी है। उसके अंतर्गत देश में ठोस अपराध विज्ञान तंत्र विकसित करने और राज्यों को मादक पदार्थों पर काबू पाने तथा आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने के लिए सहायता दी जाएगी। जम्मू कश्मीर, उग्रवाद प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी व्यय के लिए 18,839 करोड़ रुपए का केंद्रीय व्यय निर्धारित किया गया है। राज्यों को राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए केंद्र 4,846 करोड़ रुपए देगा। जम्मू कश्मीर, उग्रवाद प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी व्यय के लिए 18,839 करोड़ रुपए का केंद्रीय व्यय निर्धारित किया गया है। राज्यों को राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए केंद्र 4,846 करोड़ रुपए देगा।

राजस्थान में न्यूनतम तापमान बढ़ा पर कुछ इलाकों में सर्दी का प्रकोप जारी

नेशनल डेस्क। राजस्थान में रात और दिन के तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के बावजूद कुछ इलाकों में सर्दी का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार शनिवार रात करौली में सबसे कम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि चित्तौड़गढ़ में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस, भीलवाड़ा में 4.8 डिग्री सेल्सियस, अंता में 5.1 डिग्री सेल्सियस, हनुमानगढ़ के संगरिया में 6 डिग्री सेल्सियस, डबोक (उदयपुर) में 6.4 डिग्री सेल्सियस, अलवर में 6.7 डिग्री सेल्सियस, सवाईमाधोपुर में 6.8 डिग्री सेल्सियस, चूरू में सात डिग्री सेल्सियस, पिलानी में 7.4 डिग्री सेल्सियस, वनस्थली में 8.5 डिग्री सेल्सियस, श्रीगंगानगर और धौलपुर में 8.8-8.8 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि राजधानी जयपुर में बीती रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकतर स्थानों में शनिवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से लेकर 30 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम के शुष्क बने रहे की संभावना जताई है।

नक्सलियों से धमकी मिलने के बाद एकनाथ शिंदे की सुरक्षा बढ़ाई गई

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को कथित तौर पर नक्सलियों ने एक पत्र भेजा है जिसमें राज्य के गढ़चिरौली जिले में माओवादियों के मारे जाने का बदला लेने की धमकी दी गई है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि पत्र शुक्रवार को यहां शिंदे के आवास पर मिला, जिसके बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शिंदे ठाणे और गढ़चिरौली जिले के संरक्षक मंत्री भी हैं। मंत्री ने बाद में कहा कि गढ़चिरौली में नक्सलवाद की समस्या से निपटने का एकमात्र रास्ता विकास है। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में गढ़चिरौली जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए थे जिनमें उनका एक शीर्ष कमांडर भी शामिल था। अधिकारी ने बताया कि धमकी भरा पत्र मिलने के संबंध में ठाणे पुलिस को मिली शिकायत को जांच के लिए अपराध शाखा को सौंप दिया गया है। शनिवार रात यहां पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि उन्हें पहले भी ऐसी धमकियां मिली हैं। उन्होंने कहा, ''गढ़चिरौली का संरक्षक मंत्री होने के नाते जिले की देखभाल करना मेरा कर्तव्य है। हमारा उद्देश्य जिले का सर्वांगीण विकास करना तथा इसे मुख्यधारा में लाना है। बुनियादी ढांचे का विकास क्षेत्र में नक्सलियों से लड़ने का एकमात्र रास्ता है।

उत्तराखंड में 80 से अधिक उम्र के लोगों को घर से ही मताधिकार की सुविधा

देहरादून।

इच्छया देवी (82) इस बार उन बुजुर्ग लोगों में शामिल हो गई हैं, जो उत्तराखंड में सोमवार को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ही घर बैठे डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कर चुके हैं। करीब एक सप्ताह पहले निर्वाचन आयोग की टीम यहां पॉश तेग बहादुर रोड स्थित इच्छया देवी के घर पहुंची और उन्हें आयोग की पहल के बारे में जानकारी देते हुए मतपत्र पर उनसे मुहर लगवाकर उनका वोट लिया। इस बारे में पूछे जाने पर देवी ने खुशी जाहिर करते हुए आयोग को धन्यवाद भी दिया। देवी ने कहा, ''मैं इसके लिए निर्वाचन आयोग को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने मुझे घर पर ही मतदान की सुविधा उपलब्ध करवाई। दरअसल निर्वाचन आयोग ने इस बार प्रदेश में पहली बार 80 से अधिक उम्र के मतदाताओं और दिव्यांगजनों को घर बैठे ही मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा दी है। राज्य के के निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 80 वर्ष से अधिक आयु तथा दिव्यांग मतदाताओं में से अब तक 15940 लोगों को घर बैठे डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया जा चुका है। प्रदेश की मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि उत्तराखंड में कुल 17068 दिव्यांग मतदाताओं और 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं को घर पर ही मतदान के लिए डाक मतपत्र जारी किये गये हैं। भारी बर्फबारी और बारिश जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी 10 से 15 किलोमीटर पैदल चलकर 2241 मतदान कर्मियों द्वारा पूरी स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से यह प्रक्रिया पूरी की गई। हालांकि, मोहिनी रोड के निवासी कुंवर सिंह रौतेला (84) और उनकी 80 वर्षीय पत्नी देवकी देवी मतदान के लिए आयोग की टीम की प्रतीक्षा कर रहे हैं। देवी ने इस संबंध में पूछे जाने पर कहा कि मतदान उनका अधिकार है और अगर टीम नहीं आयी तो वह मतदेय स्थल पर जाकर अपना वोट देंगी। राज्य की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों एवं प्रतिकूल मौसम को देखते हुए 35 मतदान कर्मियों को मतदान की तिथि 14 फरवरी से 3 दिन पूर्व एवं 1442 मतदान कर्मियों को मतदान की तिथि से दो दिन पूर्व ही रवाना कर दिया गया। राज्य में कई मतदान केंद्र ऐसे भी हैं जहां पहुंचने के लिए मतदान कर्मियों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा।

राज्य के विभिन्न जिलों में 33 मतदान केंद्र 10 किलोमीटर से अधिक की दूरी तथा 262 मतदान केंद्र सड़क मार्ग से 5 किलोमीटर से अधिक की पैदल दूरी पर स्थित हैं।

25 साल की लड़की से सामूहिक दुष्कर्म, रस्सी से बांधकर दूसरी मंजिल पर फेंका

नेशनल डेस्क।

राजस्थान के चुरू शहर में एक युवती (25) से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया और फिर उसे पहले तल की खिड़की से नीचे फेंक दिया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह घटना शुक्रवार को चुरू में रेलवे स्टेशन के पास हुई, आरोपियों में से एक द्वारा नौकरी की पेशकश किए जाने पर पीड़िता शुक्रवार को नई दिल्ली से चुरू आई थी और चारों आरोपी लड़की को एक होटल के कमरे में ले गए। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक देवेंद्र सिंह और विक्रम सिंह ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उन्होंने उसके हाथ रस्सी से हाथ बांधकर उसे इमारत से खिड़की से बाहर फेंक दिया।

पुलिस उपाधीक्षक ममता सारस्वत ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण शुक्रवार को किया गया, उसके बाद आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म एवं मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। दो अन्य आरोपियों की पहचान भवानी सिंह और सुनील राजपूत के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि सभी को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली में आसमान साफ, न्यूनतम तापमान रहा सात डिग्री सेल्सियस

नेशनल डेस्क।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह आसमान साफ रहा और न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से तीन डिग्री कम सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 89 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग ने आसमान मुख्यत~ साफ रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान मौसम के औसत से दो डिग्री कम आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में रविवार को वायु गुणवत्ता 'खराब। श्रेणी में दर्ज की गयी। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 244 रहा। पड़ोसी फरीदाबाद में एक्यूआई 258, गुरुग्राम में 216, गाजियाबाद में 238 और नोएडा में 218 यानी 'खराब श्रेणी

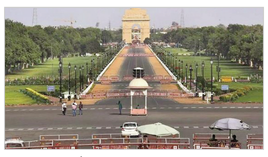

में रहा। गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच के एक्यूआई को 'अच्छा, 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को 'मध्यम, 201 से 300 के बीच को 'खराब, 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर माना जाता है।

समाजवाद की बात करने वाले अब खोटे सिक्के हो गए: राजनाथ

नेशनल डेस्क।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को राजे्य की मुखे्य विपक्षी पार्टी सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये समाजवाद की बात करने वाले खोटे सिक्के हो गये हैं और आप जानते हैं कि कि खोटे सिक्के बाजार में कभी नहीं चलते। उन्होंने कहा कि आज की समाजवादी पार्टी (सपा) अब उप्र की राजनीति में नहीं चलने वाली है। रविवार को बाराबंकी जिले के रामनगर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''आज की समाजवादी पार्टी को कसौटी पर कसेंगे तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि आप लोग पाएंगे कि किसी भी परिभाषा पर मौजूदा समाजवादी पार्टी खरी नहीं उतरती। रक्षा मंत्री ने कहा कि जो लोग उप्र में समाजवादी होने का दावा करते हैं उन्हें समाजवाद छू कर भी नहीं गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी नाम रखने से कोई समाजवादी नहीं बन जाता, एक सच्चा समाजवादी वह होता है जो गरीब के भय और भूख का समाधान करे। उन्होंने कहा कि एक सच्चा समाजवादी वह होता है जो समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चले, वह समाजवादी कभी नहीं हो सकता जो तुष्टिकरण की राजनीति करे और समाज को टुकड़ों में बांटकर सरकार बनाने की कोशिश करे। बाराबंकी को समाजवादियों का गढ़ बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि बाराबंकी जनपद एक समय समाजवादियों का गढ़ था और पूरे देश में कांग्रेस राज के दौरान भी यहां की जनता राम सेवक यादव और राम मनोहर लोहिया जैसे दिग्गज समाजवादियों के साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में नकली समाजवादियों का आना हुआ, यहां की जनता का मोहभंग हो गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि गरीबों को मुफ्त गैस सिलेंडर और आयुष्‍ मान भारत योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज की व्यवस्था भाजपा सरकार ने की है। भाजपा नेता ने कहा, ''हमने उप्र में भूख और भय दोनों का समाधान किया है, इसलिए कह सकता हूं कि वे (सपा) लोग नकली समाजवादी हैं और सच्चे अर्थों में समाजवाद की राह पर हम चलने वाले हैं। अगर देश की सुरक्षा पर कोई चोट करने की कोशिश करेगा तो मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हम राष्ट्रवादी भी हैं।

भाजपा के लोग अपनी संकीर्ण मानसिकता छोड़ें, तभी देश का भला संभव: मायावती

नेशनल डेस्क। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को किसानों और बेरोजगारों की आत्महत्या का मामला उठाते हुए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि भाजपा के लोग अपनी संकीर्ण सोच व मानसिकता को त्याग दें, तभी देश का कुछ भला हो सकता है। उत्तर प्रदेश में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच रविवार को बसपा प्रमुख मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा पर सवाल उठाते हुए ट्वीट किया, ''कर्ज में डूबे एवं घुट कर जीवन जीने को मजबूर किसानों द्वारा आत्महत्या की खबरें विचलित करती हैं, किन्तु अब बेरोजगार युवाओं द्वारा भी आत्महत्या करने की विवशता ने राष्ट्रीय चिंता, बेचैनी व आक्रोश को और बढ़ा दिया है। फिर भी विकास व इंडिया शाइनिंग आदि जैसा भाजपा का दावा कितना उचित है। मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''साथ ही, भाजपा द्वारा संसद में भी बेरोजगारी की ज्वलन्त राष्ट्रीय समस्या से इनकार करना इनकी यह गलत व अहंकारी सोच नहीं है तो और क्या है? कौन युवा बेरोजगारी का ताना व अपमान सहना चाहता है? भाजपा के लोग अपनी संकीर्ण सोच व मानसिकता को त्याग दें, तभी देश का कुछ भला संभव है। कौन युवा बेरोजगारी का ताना व अपमान सहना चाहता है? भाजपा के लोग अपनी संकीर्ण सोच व मानसिकता को त्याग दें, तभी देश का कुछ भला संभव है। मानसिकता को त्याग दें, तभी देश का कुछ भला संभव है।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा में कोरोना के सामने आए 1148 नए मामले, 22 की हुई मौत

नेशनल डेस्क। ओडिशा में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 संक्रमण के 1148 मामले दर्ज किए गए और 22 लोगों की मौत हुई, जिससे कोविड से मरने वालों की संख्या 8,884 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 12,77,262 हो गयी है। नये संक्रमितों में से 244 संक्रमण 18 वर्ष तक के उम्र के लोगों में पाए गए जबकि 669 क्वारंटीन केंद्र और 479 स्थानीय संपक के मामले हैं। राज्य में खुर्दा जिले में सर्वाधिक 153 नए मामले, इसके बाद सुंदरगढ़ में 127 मामले, अंगुल में 94 मामले और कटक में 65 मामले पाए गए। राज्य में बालेश्वर जिले में सर्वाधिक आठ लोगों की मौत हो गई, उसके बाद सुंदरगढ़ में चार, गंजम में तीन, खुर्दा में दो और अंगुल, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, क्योंझर और नवरंगपुर में एक-एक मामला दर्ज किया गया। राज्य में अब 12,330 सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ एवं परिवार कल्याण विभाग के सूत्रों ने बताया कि शनिवार को 2081 कोविड मरीज स्वस्थ हो गए, जिससे राज्य में स्वस्थ होने वाले लोगों की कुल संख्या 12,55,995 हो गई।

दिल्ली के उत्तम नगर में मिठाई की दो दुकानों में लगी भीषण आग, तीन लोगों को बचाया गया

नेशनल डेस्क। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में रविवार को एक-दूसरे से सटी मिठाई की दो दुकानों में आग लग गई जिसके बाद वहां फंसे तीन व्यक्तियों को बचाया गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग को बुझा दिया गया है और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के महानिदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि पूर्वाह्न करीब पौने ग्यारह बजे आग लगने के बारे में सूचना मिली और पांच दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने कहा, ''आग दो दुकानों में लगी थी। अंदर फंसे तीन व्यक्तियों को हमारी टीम ने बचाया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग पौने बारह बजे तक बुझा दी गई। गर्ग ने कहा कि आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है।

कर्नाटक हिजाब विवाद: उडुपी जिले के सभी स्कूलों के आसपास 14 फरवरी से 19 फरवरी तक धारा 144 लागू

नेशनल डेस्क। उडुपी जिला प्रशासन ने जिले में सभी हाईस्कूलों के आसपास के इलाकों में सोमवार से लेकर 19 फरवरी तक दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। स्कूलों के सोमवार से फिर से खुलने के साथ इस कदम को एहतियाती उपाय के तौर पर देखा जा रहा है। राज्य सरकार ने हिजाब-भगवा शॉल विवाद के मद्देनजर स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया था। यह आदेश 14 फरवरी को सुबह छह बजे से 19 फरवरी की शाम छह बजे तक लागू रहेगा। जिला पुलिस अधीक्षक ने उपायुक्त एम कुर्मा राव से हाईस्कूलों के आसपास के 200 मीटर के दायरे में धारा 144 लगाने का अनुरोध किया था। आदेश के अनुसार, स्कूलों के इस दायरे के भीतर पांच या इससे अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक रहेगी। प्रदर्शन तथा रैलियों पर प्रतिबंध रहेगा। नारेबाजी करने, गीत गाने या भाषण देने पर सख्त पाबंदी रहेगी।

गुजरात में एक फैक्ट्री में हुआ विस्फोट, दो कर्मचारी घायल

नेशनल डेस्क। गुजरात के भावनगर जिले में स्थित एक फैक्ट्री में विस्फोट होने से नौ कर्मचारी घायल हो गए। सिहोर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि राज्य की राजधानी गांधीनगर से करीब 200 किलोमीटर दूर जिले के सिहोर कस्बे के पास स्थित अरिहंत फर्नेस रोलिंग मिल में रविवार रात विस्फोट हो गया। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय कर्मचारी फैक्ट्री में काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विस्फोट में घायल हुए सभी नौ लोगों को भावनगर स्थित एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव: 632 प्रत्याशियों में 40प्रतिशत धनाढ्य बनना चाहते हैं माननीय

देहरादून। उत्तराखंड में 14 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी किस्मत आजमा रहे 632 प्रत्याशियों में कुल 40 प्रतिशत धनाढ्य हैं। ये करोड़पति हैं। इनकी अब विधायक बनकर माननीय बनने की आकांक्षा है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की प्रदेश के 632 में से 626 उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों का विश्लेषण करने के बाद जारी रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इन 626 में से प्रदेश में इस बार 252 करोड़पति उम्मीदवार हैं, जिसमें भाजपा के सर्वाधिक 60 उम्मीदवार शामिल हैं। एडीआर के को-आर्डिनेटर मनोज ध्यानी ने बताया कि पांचवीं विधानसभा के लिए हो रहे इन चुनावों में वर्ष 2017 की तुलना में करोड़पति प्रत्याशियों की संख्या में लगभग नौ प्रतिशत वृद्धि हुई है। तब यह संख्या 31 प्रतिशत थी। इस बार 40 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस बार भारतीय जनता पार्टी से 60, कांग्रेस से 56 और 40 निर्दलीय प्रत्याशी करोड़पति हैं जबकि आम आदमी पार्टी से 31, बहुजन समाज पार्टी से 18, उत्तराखंड क्रांति दल से 12, समाजवादी पार्टी से आठ, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) से छह, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) से तीन करोड़पति उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। इन धनाढ्यों की श्रेणी में ही एआईएमआईएम,राष्ट्रीय समाज दल (आर), भारतीय जन जागृति पार्टी, सीपीआई (एम), राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी (सत्या) और उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी से 2-2 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय लोक दल, जय महाभारत पार्टी, उत्तराखंड क्रांति दल (डी), उत्तराखंड जनएकता पार्टी, सीपीआई, उत्तराखंड जनता पार्टी, शिरोमणि अकाली दल से एक-एक प्रत्याशी माननीय बनने को आतुर हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जवाबदेही आंदोलन

जवाबदेही यात्रा

जवाबदेही यात्रा के बारे में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

'सूचना एवम रोजगार अधिकार अभियान' (एसआर अभियान) के बैनर तले राजस्थान के सामाजिक आंदोलन और अभियान पिछले एक दशक से राज्य और देश में जवाबदेही कानून के लिए एक सार्वजनिक अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। 2015-2016 में, एसआर अभियान ने राज्य के सभी ३३ जिलों में एक सौ दिवसीय लंबी जवाबदेही यात्रा का आयोजन किया। इसके बाद जयपुर में 22 दिनों तक चलने वाला जवाब दो धरना हुआ, जहां अभियान ने जवाबदेही कानून को तत्काल पारित करने की मांग की।

उस समय, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस मुद्दे को समर्थन की पेशकश की, और बाद में अपने 2018 विधानसभा चुनाव घोषणापत्र में जवाबदेही कानून पारित करने का वादा शामिल किया। 2019 में, अपने पहले बजट भाषण में, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने एक विशिष्ट घोषणा की और जवाबदेही कानून पारित करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के सुझाव पर पूर्व अपर मुख्य सचिव श्री राम लुभया के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया गया, जो अभियान के सुझावों की जांच करेगी, सरकार की राय सुनेगी और एक मसौदा विधेयक तैयार किया जाएगा। समिति ने फरवरी 2020 में अपनी रिपोर्ट और मसौदा विधेयक सरकार को सौंप दिया।

हालाँकि, पिछले तीन वर्षों में, राजस्थान सरकार ने अभी भी विधानसभा में पारित होने और लागू करने के लिए जवाबदेही विधेयक पेश नहीं किया है। राजस्थान के लोगों ने फिर से अभियान को मजबूत करने का संकल्प लिया है जब तक कि नागरिक केंद्रित जवाबदेही के लिए यह महत्वपूर्ण कानून अधिनियमित और प्रभावी नहीं हो जाता है। इस संबंध में, जैसा कि कुछ महीने पहले घोषित किया गया था, राज्य के लोगों को अपने वादे की निर्वाचित सरकार को याद दिलाने के लिए 20 दिसंबर 2021 से 2 फरवरी 2022 तक दूसरी जवाबदेही यात्रा का आयोजन किया गया है।

यह यात्रा सामाजिक जवाबदेही कानून के बारे में जन जागरूकता पैदा करने की मांग करेगी और इसके पारित होने की मांग करेगी और पारदर्शिता और जवाबदेही और शासन में नागरिकों की भागीदारी पर जोर देगी। इसके साथ ही नागरिकों की इन शिकायतों को दर्ज करने, ट्रैक करने और तार्किक निष्कर्ष पर लाने के लिए हर जिले में शिकायत निवारण शिविर भी आयोजित किए जाएंगे ताकि वे अपने अधिकारों और अधिकारों को प्रभावी ढंग से सुरक्षित कर सकें।

यात्रा के बारे में

यात्रा कितनी लंबी है? वे कहाँ यात्रा कर रहे हैं? यात्रा का हिस्सा कौन है? वे कैसे यात्रा कर रहे हैं? के बारे में

जयपुर में 20 दिसंबर 2021 को शुरू हुई जवाबदेही यात्रा 2 फरवरी 2022 को राज्य की राजधानी लौटने से पहले 45 दिनों में राजस्थान के सभी 33 जिलों की यात्रा करेगी। यात्रा एक बड़ी बस में की जा रही है, और एक वैन जिसे 'आरटीआई ऑन व्हील्स' कहा जाता है और इसमें हर जिले में स्थानीय संगठन और स्थानीय लोग शामिल होते हैं। लगभग 50 स्वयंसेवक कार्यकर्ता हर समय यात्रा के साथ यात्रा कर रहे हैं जो शिक्षा, स्वास्थ्य और कोविड, मनरेगा, राशन, पेंशन, मानवाधिकार, सूचना का अधिकार, खनन, सिलिकोसिस, पर्यावरण, दलित और लिंग मुद्दों के क्षेत्रों में जवाबदेही के मुद्दों का प्रचार करेंगे। पेसा आदि यह आरटीआई पर निर्माण करने का प्रयास करेगा ताकि राज्य और सार्वजनिक पदाधिकारियों की अपने नागरिकों के प्रति जवाबदेही के लोकतांत्रिक और संवैधानिक जनादेश को मजबूत करने के लिए राज्य में पारदर्शिता स्थापित करने पर किए गए कार्य को आगे बढ़ाया जा सके। यात्रा के दौरान निम्नलिखित में से कुछ गतिविधियाँ होंगी, जो प्रत्येक जिले में डेढ़ से दो दिन बिताएँगी- ब्लॉक स्तर की बैठकें, सेमिनार और कार्यशालाएँ, आरटीआई और जवाबदेही क्लीनिक, थिएटर, गीत, नुक्कड़ सभा बैठकें, पर्चे का वितरण, प्रशासन के साथ चर्चा और बैठकें, और प्रत्येक जिला मुख्यालयों में एक जवाबदेही 'मेला' जहां हम एक साथ लाएंगे, दस्तावेज़ में मदद करेंगे, और लोगों के लंबित, और वर्तमान मुद्दों और शिकायतों को प्रशासन के सामने पेश करेंगे। यात्रा एक विशुद्ध रूप से स्वयंसेवी संचालित सामूहिक अभ्यास है, जहां कार्यकर्ता राज्य के चारों ओर यात्रा करने के लिए अपना समय स्वेच्छा से देंगे, और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इस उद्देश्य का समर्थन करने वाले लोगों से व्यक्तिगत दान के माध्यम से संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

संपर्क में रहो

948862200, 7297832382, 9413457292, 9820588448

लोगों के मुद्दों को सुलझाने के लिए अभियान ने पिछले तीन साल सरकार के साथ लगातार बातचीत में बिताए हैं। जबकि कुछ को सुलझा लिया गया है, अनुचित कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के व्यवस्थित समाधान के लिए इस कानून को पारित करना महत्वपूर्ण है। हमने लगातार प्रदर्शित किया है कि यह लगभग एकमात्र तरीका है जिसके द्वारा नागरिक सरकारी कार्यक्रमों, कानूनी अधिकारों और संवैधानिक अधिकारों के कार्यान्वयन में अंतराल के बारे में प्रशासन को कार्रवाई योग्य प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं। कार्यान्वयन ढांचे में नागरिकों को भागीदार बनाकर हमें विश्वास है कि यह प्रशासन को लोगों की बेहतर सेवा करने में मदद करेगा, और लोगों को उनकी बुनियादी सेवाओं और अधिकारों को लोकतांत्रिक रूप से सुरक्षित करने के लिए सशक्त करेगा। हम इस यात्रा को इस आशा के साथ आयोजित करते हैं कि सरकार के पास अपने वादे को पूरा करने के लिए राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति है और अंतिम व्यक्ति के लिए पारदर्शी और जवाबदेह शासन सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए और सरकार को शुरूकरने और पारित करने के लिए आवश्यक कदम उठाती है। विधान सभा में जवाबदेही कानून, एक बार फिर यह प्रदर्शित करता है कि राजस्थान राज्य इस देश के नागरिकों के लोकतांत्रिक और विकासात्मक अधिकारों को बनाए रखने के लिए तैयार है।

(website jawabdehiandolan)

SURESH MAURYA-9879141480